दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क
www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak
वर्ष: 3 I अंक: 261 जयपुर, शुक्रवार, 30 अगस्त, 2024 I भाद्रपद, कृष्ण पक्ष-द्वादशी, विसं 2081 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

देशभर में 2 सितंबर तक बंद रहेगी पासपोर्ट सेवा

दिल्ली। देशभर में पासपोर्ट विभाग का पोर्टल बंद रहेगा। यह बंद 29 अगस्त की रात 8 बजे शुरू हो गया, जो 2 सितंबर की सुबह 6 बजे तक जारी रहेगा। इस अवधि में पासपोर्ट सेवा पोर्टल तकनीकी रखरखाव के कारण अनुपलब्ध रहेगी। इस अवधि के दौरान नागरिकों और सभी एमईए/आरपीओ/बीओआई/आईएसपी/डीओपी/पुलिस अधिकारियों के लिए सिस्टम उपलब्ध नहीं होगा। 30 अगस्त 2024 के लिए पहले से बुक की गई नियुक्तियों को उपयुक्त रूप से पुनर्निर्धारित किया जाएगा और आवेदकों को सूचित किया जाएगा।

तूफान शानशान पहुंचा जापान, 3 लोगों की मौत

जापान । जापान में इस साल के सबसे शक्तिशाली तूफान 'शानशान' दक्षिण-पश्चिमी आइलैंड क्यूशू पर गुरुवार सुबह 8 बजे पहुंचा। रिपोर्ट के मुताबिक तूफान की वजह से मूसलाधार बारिश होने के साथ 252 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। यह जापान में टाइफून नंबर 10 के नाम से जाना जाता है। इसकी वजह से ढाई लाख से ज्यादा घरों की बिजली काट दी गई है। वहीं, गामागोरी में लैंडस्लाइड की वजह से एक घर दब गया जिसमें एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने चौरासी में कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक बैठक की, प्रदेश प्रभारी भी रहे साथ

भाजपा की सबसे बड़ी ताकत व नींव की ईंट कार्यकर्ता: राठौड़

बेधड़क | जयपुर

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत कार्यकर्ता है, ये नींव के पत्थर की भूमिका को बखूबी निभा रहे हैं। राठौड़ ने यह बात गुरुवार को चौरासी में कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक बैठक में कही। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल भी मौजूद रहे।

चौरासी में पीठ सलालेश्वर महादेव परिसर में आयोजित बैठक तीन चरणों में आयोजित की गई। भाजपा प्रभारी डॉ अग्रवाल और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने तीनों चरणों में बूथ स्तर के कार्यकर्ता से लेकर संगठन के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और सर्व समाज के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर चर्चा की। राठौड़ ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है, जो भारत को एक सुदृढ़, समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृत संकल्पबद्ध है।

ये रहे मौजूद

बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, राज्य सभा सांसद चुन्नी लाल गरासिया, कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सांसद मन्ना लाल रावत, दामोदर अग्रवाल, विधायक शंकर लाल डेचा, प्रदेश मंत्री अनिता कटारा, पूर्व प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा, जिला अध्यक्ष हरीश पाटीदार, सांसद प्रत्याशी महेन्द्रजीत सिंह मालविया, पूर्व विधायक गोपीचंद मीना, विधायक प्रत्याशी बंशीलाल के साथ भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरकार की जनहितकारी योजना को हर व्यक्ति तक पहुंचाएं

बैठक के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने संगठनात्मक बैठक के प्रथम चरण में बूथ स्तर के साथ संगठन के कार्यकर्ताओं से चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन को मजबूत करना है। केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितकारी योजना को हर व्यक्ति तक पहुंचाते हुए सब की मदद करने का कार्य करना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने संगठनात्मक बैठक के प्रथम चरण में बूथ स्तर के साथ संगठन के कार्यकर्ताओं से चर्चा की। इसके बाद दूसरे चरण में जनप्रतिनिधि एवं संगठन के पदाधिकारियों तथा तीसरे अंतिम चरण में सर्व समाज के प्रतिनिधि के साथ बैठक कर विचार-विमर्श किया।

पूर्व सांसद कटारा के भतीजे को दी श्रद्धांजलि

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने आज सागवाडा स्थित बांसवाडा-डूंगरपुर के पूर्व सांसद कनक मल कटारा के आवास पहुंचकर उनके भतीजे राजेश कटारा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। राठौड़ ने राजेश कटारा की तस्वीर पर पुष्पाजंलि अर्पित कर ईश्वर से पुण्य आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। राठौड़ ने दुख की इस घड़ी में उनके परिजनों को ढाढ़स बंधाया। इस दौरान राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, प्रदेश मंत्री महेंद्र कुमावत, विधायक शंकर डेचा, पूर्व राज्यमंत्री सुशील कटारा, जिला अध्यक्ष हरीश पाटीदार उपस्थित रहे।

दो दिवसीय स्टेट लेवल पुलिस ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस शुरू

कानून व्यवस्था हमारी प्राथमिकता और पुलिस महत्वपूर्ण तंत्र: सीएम शर्मा

■ 'पुलिसिंग विद एक्सीलेंस द वे फॉरवर्ड' की थीम पर आयोजित होंगे दर्जनभर सत्र

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश की पुलिस को ठीक किए जाने की आवश्यकता है। पुलिस को अपना लक्ष्य तय करना होगा और सोचना होगा कि जो लक्ष्य हमें तय करना है, उसके लिए पहले हमारी पुलिस को ठीक करना होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह बात गुरुवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित दो दिवसीय स्टेट लेवल पुलिस ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस, 'पुलिसिंग विद एक्सीलेंस-द वे फॉरवर्ड' के उद्घाटन सत्र में कही।

उन्होंने कहा- टूटी फूटी ठठेरे के द्वार कैसे भी कुछ भी हुआ। आना पुलिस के पास ही पड़ता है। इसीलिए मैं कहना चाहता हूं कि यह तंत्र राज का सबसे महत्पूर्ण तंत्र है। कोई राज दंड के बिना नहीं चल सकता। कानून का पालन करने और पालन करवाने के लिए दंड आवश्यक होता है। राजस्थान के 4-5 जिलों में ड्रग्स का कारोबार बढ़ रहा है। उस पर कार्रवाई भी की जा रही है। इसे जल्द से जल्द खत्म करना जरूरी है। क्योंकी अगर यह फैल गया तो फिर रोक लगाना मुश्किल हो जाएगा। टास्क फोर्स बना दी गई हैं, लेकिन कई जगह मैनपावर और संसाधनों की कमी है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में अपराध की स्थिति बदल गई है और बदलती हुई परिस्थिति में पुलिस को भी बदलना होगा। प्रदेश में धार्मिक कट्टरता, साइबर क्राइम, संगठित अपराध जैसे मामले सामने आते हैं और इनको लेकर तैयारी करनी चाहिए। उद्घाटन सत्र में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह , मुख्य सचिव सुधांश पंत और अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) आनंद कुमार व डीजीपी यूआर साहू सहित राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

एडीजी देंगे 6-6 विषयों पर प्रेजेंटेशन

डीजीपी साहू ने बताया कि एडीजी कॉन्फ्रेंस में दो दिन की अवधि में राज्य में बेहतर पुलिसिंग पर केन्द्रित मुद्दों पर राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और विषय विशेषज्ञ दर्जन भर सेशंस में अपना प्रस्तुतीकरण दिया है। 6 विषयों पर प्रेजेंटेशन दिए गए। शुक्रवार को 6 विषयों पर एडीजी और आईजी रैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों के ग्रुप द्वारा प्रेजेंटेशन दिए जाएंगे।

अच्छा कार्य करने पर सम्मान किया जाए और गलत काम पर कार्रवाई करें

मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में पुलिस अधिकारियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि पूरे प्रदेश की 8 करोड़ जनता को उनसे बहुत उम्मीदें हैं। उन्होंने प्रदेश के पुलिस अधिकारियों को पुलिस में नई भर्तियां करने का भरोसा दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा- मैंने डीजी साहब से कहा है कि जो पुलिस के अधिकारी और जवान अच्छा कार्य करते हैं तो उनका सम्मान होना चाहिए और इनाम मिलना चाहिए। यदि कोई गलत काम करके पुलिस के परिवार को बदनाम कर रहा है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।

एसपी, आईजी, एडीजी करें औचक निरीक्षण

कॉन्फ्रेंस में मुख्य सचिव सुधाश पंत ने कहा- एसपी, आईजी, एडीजी को औचक निरीक्षण करना चाहिए। इसका मतलब यह नहीं है कि हम लोग पुलिस स्टेशन को ट्रस्ट नहीं कर रहे हैं। जितनी नजदीक से हम लोग काम को देखेंगे। पूरे सिस्टम में एक अलर्टनेस आएगी। जगह-जगह पर सीसीटीवी लगने चाहिए। सीसीटीवी होने से आदमी अलर्ट हो जाता है। सभ्य होने लगता है। हमारे पास कोई बजट की कमी नहीं है। सीएम ने वित्त विभाग को साफ बोला हुआ है कि पुलिस की सुविधाओं के लिए कोई कमी नहीं रखें। महिलाओं के प्रति जो अपराध होते हैं, उनमें और अधिक संवेदनशील बनने की जरूरत हैं।

बड़ा हादसा: रेस्क्यू कार्य युद्ध स्तर पर, संसाधन झोंके

जवाहर नगर में गिरी इमारत 6 के दबे होने की आशंका

बेधड़क | जयपुर

शहर के जवाहर नगर इलाके में गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया। मामा की होटल के पास एक निर्माणाधीन बिल्डिंग गिर गई। अचानक हुए हादसे में मलबे में करीब 6 लोगों के दबने की आशंका है। घटना की जानकारी मिलते ही सिविल डिफेंस और पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव कार्य तेज़ी से शुरू किया गया है। स्थानीय प्रशासन भी मौके पर मौजूद है और मलबे में दबे लोगों को निकालने की कोशिश की जा रही है। प्रशासन ने तुरंत आसपास के क्षेत्र को घेर लिया, ताकि बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की रुकावट न आए। हादसे की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त संसाधनों को भी बुलाया जा रहा है। हादसे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक जांच में निर्माण कार्य में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है और लोग अपने परिवारजनों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। देर रात तक सिविल डिफेंस और पुलिस की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी रहीं । अतिरिक्त संसाधन बुलाए गए हैं। फिलहाल स्पष्ट कारण तो सामने नहीं आया है, अपितु प्रारंभिक जांच में निर्माण कार्य में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे घटनास्थल से दूर रहें और बचाव कार्य में बाधा न डालें। फिलहाल, स्थिति नियंत्रण में है और बचाव कार्य तेजी से जारी है।

सूचना मिलते ही भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी मौके पर पहुंचे और उन्होंने तमाम जानकारी लेकर रेस्क्यू का जायजा लिया।

शहीद नखतसिंह का सैनिक सम्मान से अंतिम संस्कार

अंतिम यात्रा में उमड़े लोग, सात साल के बेटे ने दी मुखाग्नि

बेधड़क | जयपुर

अरुणाचल प्रदेश में ड्यूटी के दौरान सड़क हादसे में शहीद हवलदार नखतसिंह का सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। सात साल के मासूम बेटे शौर्य ने अपने शहीद पिता के पार्थिव देह को मुखाग्नि दी। शहीद के अंतिम यात्रा में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा।

दो दिन पहले अरुणाचल प्रदेश में सेना का वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में राजस्थान के हवलदार नखतसिंह शहीद हो गए थे। नखतसिंह के शहीद होने की सूचना के बाद से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। इससे पूर्व अरुणाचल प्रदेश से गुरुवार सुबह शहीद की पार्थिव देह बाड़मेर पहुंची। यहां जालीपा आर्मी कैंट से शहीद के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव हरसाणी ले जाया गया। शहीद की पार्थिव देह जैसे ही उनके निवास पर पहुंची तो पूरा माहौल गमगीन हो गया। यहां शहीद के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया।

शहीद की मां, वीरांगना और बच्चों सहित तमाम लोगों ने अंतिम दर्शन किए। अंतिम दर्शन के दौरान शहीद की वीरांगना प्रियंका बेसुध हो गई।

अंतिम दर्शन के दौरान वीरांगना प्रियंका बेसुध

मुख्यमंत्री का दो दिवसीय मुबंई दौरा

सीएम शर्मा पहुंचे मुबंई... आज करेंगे राइजिंग राजस्थान के तहत रोड शो

- प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुख्यमंत्री शर्मा खुद करेंगे
- ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 की वेबसाइट भी जाएगी लॉन्च
- उद्योग मंत्री राठौड़ के अलावा प्रदेश के कई शीर्ष अधिकारी भी रहेंगे मौजूद

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में दिसंबर माह में होने वाले 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को मुबंई में रोड शो करेंगे। इसके लिए मुख्यमंत्री गुरुवार रात मुबंई पहुंच चुके हैं। मुख्यमंत्री यहां दो दिन रहेंगे। इस दौरान उद्योग जगत की कई जानी-मानी हस्तियां अपने अनुभव साझा करेंगे। गौरतलब है कि 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर होगा।

आज रोड शो में कई दिग्गजों से मिलेंगे मुख्यमंत्री

राजधानी जयपुर में दिसंबर में आयोजित होने वाले 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का पहला रोड शो शुक्रवार को मुंबई में आयोजित होगा। देशी-विदेशी उद्योग और कॉर्पोरेट जगत को राजस्थान में निवेश हेतु आमंत्रित करने के लिए हो रहे इस रोड शो में राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा खुद कर रहे हैं। इस समिट में निवेश संबंधी कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर, राइजिंग राजस्थान वेबसाइट का शुभारंभ के अलावा उद्योग जगत के कई दिग्गजों और बड़ी हस्तियों से आमने-सामने की चर्चाएं वगैरह भी होगी। इसके अलावा, मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राज्य में हो रहे औद्योगिक परिवर्तन और बुनियादी ढाँचे के निर्माण के बारे में इन दिग्गजों ने जो देखा है, उसके बारे में भी ये बात करेंगे।

विभिन्न देशों में होंगे रोड शो

मुंबई में होने वाला यह रोड शो समिट इंडस्ट्री पार्टनर, कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसके अलावा अगले दो महीनों के दौरान राजस्थान सरकार दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब, ब्रिटेन और जर्मनी में भी रोड शो आयोजित करने जा रही है, ताकि देशी-विदेशी निवेशकों, संस्थानों, निगमों और उद्योगों को राजस्थान में निवेश के लिए आमंत्रित किया जा सके।

लघु फिल्म का भी होगा प्रदर्शन

यह रोड शो 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के बारे में जानकारी और जागरूकता बढ़ाएगा तथा उद्योग व कॉर्पोरेट जगत के दिग्गजों और बड़े निवेशकों को राज्य में निवेश करने के लिए आमंत्रित करेगा। इस अवसर पर एक लघु फिल्म भी दिखाई जाएगी, जो राज्य के अंदर विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद अवसर एवं तेजी से हो रहे निवेश जैसी कई बातों को दर्शाएगी। मुंबई रोड शो में मुख्यमंत्री शर्मा और उद्योग मंत्री कर्नल राठौड़ के अलावा राजस्थान सरकार के कई शीर्ष अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इसमें राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) शिखर अग्रवाल, उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं रीको लिमिटेड के अध्यक्ष अजिताभ शर्मा, उद्योग विभाग के कमिश्नर रोहित गुप्ता सहित अन्य शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे।

जरूरी खबर

न्यूजीलैंड में राज्य के युवा करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

जयपुर। कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन द्वारा न्यूजीलैंड में होने वाले 'हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव' के लिए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रदेश के दो युवाओं धौलपुर के अभिनव और अजमेर के उदय को नामित किया है। ये दोनों युवा 12वीं कॉमनवेल्थ यूथ पार्लियामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। 31 अगस्त से 6 सितंबर तक होने वाले 12वी कॉमनवेल्थ यूथ पार्लियामेंट में भाग लेने के लिए दोनों युवाओं को बधाई और शुभकामनाओं के साथ देवनानी ने गुरुवार को रवाना किया।

नगरीय निकायों के उप चुनाव पर 5 को रहेगा अवकाश

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 5 सितंबर को 11 जिले की 16 नगरीय निकायों में रिक्त पदों के लिए उपचुनाव होंगे। इस दिन यहां सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। आदेश के तहत बारां जिले की नगरपालिका अंता, बीकानेर जिले के नगर निगम बीकानेर, चित्तौड़गढ़ जिले की नगरपालिका कपासन, चूरू जिले की नगरपालिका राजगढ़, नगरपरिषद दौसा, नगरपरिषद धौलपुर एवं नगरपालिका बाड़ी, जालोर जिले की नगरपालिका भीनमाल, नगरपरिषद गंगापुर सिटी, नगर निगम कोटा उत्तर, श्रीगंगानगर जिले की नगरपरिषद श्रीगंगानगर तथा अनूपगढ़ जिले की नगरपालिका रायसिंहनगर में 5 सितंबर को संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों मतदान दिवस पर अवकाश रहेगा।

खर्रा ने किया नगर निगम ग्रेटर का औचक निरीक्षण

जयपुर। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने गुरुवार को नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय का औचक निरीक्षण किया। खर्रा को निगम में देखकर कर्मचारी-अधिकारियों में खलबली मच गई। खर्रा उपायुक्त राजस्व के कमरे में पहुंचे और फाइलों को देखा। इसके बाद उपायुक्त से पट्टों के लंबित प्रकरणों की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने निर्देश दिए कि अनावश्यक रूप से आमजन के काम में देरी ना की जाए। जिन पट्टों को लेकर शुल्क जमा हो चुका है उन्हें 15 दिन में पट्टे दिए जाए। इसके बाद खर्रा ने शिशु पालना गृह का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, पार्षद लक्ष्मण नूनीवाल, महेश सैनी, हरीश कुमार शर्मा भी मौजूद रहे।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने संसद सुविधा केंद्र भिवाड़ी पर की जनसुनवाई, बोले...

'केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की धरातल तक हो पहुंच'

बेधड़क | जयपुर

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में खैरथल-तिजारा में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

यादव ने खुशखेड़ा भिवाड़ी नीमराना इन्वेस्टमेंट रीजन (केबीएनआईआर) इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, फूड पार्क तिजारा, एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर, सीईटीपी अपग्रेडेशन एवं 34 एमएलडी एसटीपी आदि महत्वपूर्ण कार्यों की प्रगति के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि केबीआईएनआर प्रोजेक्ट पूर्ण होने पर लगभग 40 हजार करोड़ रुपए का निवेश संभावित है।

केंद्रीय मंत्री ने भिवाड़ी में जल प्रदूषण के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सभी अधिकारी केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचा आमजन को राहत प्रदान करें। केंद्रीय वन मंत्री यादव ने निर्देश दिए कि बाबा मोहन राम स्थित 100 हेक्टेयर भूमि पर 50-50 हेक्टेयर के दो स्लॉट बाबा मोहन राम ए और बाबा मोहन राम बी को ब्लॉक में वर्गीकृत करते हुए भिवाड़ी स्थित सोसायटी, एनजीओ संस्थाओं, ग्राम, एनसीसी, एनएसएस इत्यादि को आवंटित कर वृहत स्तर पर वृक्षारोपण करें। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अधिकाधिक पौधरोपण कर मां के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि कहरानी में भी सघन पौधरोपण कर बायोडायवर्सिटी पार्क बनाया जाएगा।

भिवाड़ी में अपराध रोकने के लिए सरकार पूरी तरह से कटिबद्ध

जयपुर। केंद्रीय वन व पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र अलवर के दौरे पर रहे। इस दौरान मीडियाकर्मियों से मुखातिब हुए केंद्रीय मंत्री ने भिवाड़ी में ज्वेलर्स की हत्या व शोरूम में लूट की वारदात को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि वो इस घटना पर निरंतर निगरानी रखे हुए हैं। साथ ही स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हैं। मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भिवाड़ी में अपराध रोकना सरकार और प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि वे खुद ज्वेलर्स जय सिंह के परिजनों से मिले हैं। पीड़ित परिवार को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में पुलिस ने कुछ अपराधियों को पकड़ा भी है और उनसे पूछताछ कर शेष आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार भिवाड़ी में अपराध रोकने के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है।

डिप्टी सीएम ने पणजी में पर्यटन मंत्रियों की बैठक में लिया हिस्सा

प्रदेश में नवाचार से आकर्षित होंगे देशी-विदेशी पर्यटक: दिया

बेधड़क | जयपुर

उप मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को गोवा की राजधानी पणजी में पश्चिमी और मध्य राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के पर्यटन मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में राजस्थान में पर्यटन के क्षेत्र में नवाचार, पर्यटकों की सुविधा बढ़ाने, सांभर और खींचन को विकसित करने, धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ाने जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने इस अवसर पर कहा कि राजस्थान को पर्यटन का सिरमौर बनाने के लिए पर्यटन के ढांचागत विकास विकास का कार्य सघनता से किया जा रहा है। मंदिरों और धार्मिक स्थलों का नवीनीकरण किया जाएगा, जिसमें मरम्मत, आगंतुक सुविधा में वृद्धि और पहुंच में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य इन स्थलों के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को संरक्षित करना और पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करना है। डिप्टी सीएम ने केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन के लिए भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त की, जिसने राजस्थान में पर्यटन के विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राजस्थान और पर्यटन एक दूसरे के पर्याय

डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान और पर्यटन एक दूसरे के पर्याय हैं। जीवन, संस्कृति, विरासत, कला, शिल्प, विविध भूभाग, किले, महल, रेगिस्तान, पहाड़ियां, बाघ पार्क, अभयारण्य सब कुछ राजस्थान की विशेषता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान नौ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों का घर है। यह राज्य छह विश्व प्रसिद्ध पहाड़ी किलों सहित चार राष्ट्रीय उद्यान और 25 से अधिक वन्यजीव अभयारण्यों के साथ एक समृद्ध सांस्कृतिक और वन्य जीवन अनुभव प्रदान करता है। राज्य में थार रेगिस्तान से लेकर हरे-भरे अरावली पर्वतमाला के विविध परिदृश्य, लोक संगीत और नृत्य की समृद्ध परंपराएं, मसालेदार और विविध व्यंजनों का स्वाद और गर्मजोशी भरे आतिथ्य का अनुभव है जो इस क्षेत्र की विशेषता है। राजस्थान पर्यटन के सभी प्रकार के यात्रा कार्यक्रम और बजट वर्गों को पूरा करता है। राजस्थान विजन 2047 को लेकर उप मुख्यमंत्री ने बताया कि विकसित राजस्थान के लक्ष्य के साथ अब हम राज्य को एक प्रमुख वैश्विक गंतव्य में बदलना चाहते हैं। हम अंतरराष्ट्रीय आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और सुविधाओं का विकास कर रहे हैं। इस वर्ष के बजट में हमने राजस्थान पर्यटन अवसंरचना और क्षमता निर्माण कोष (आरटीआईसीएफ) बनाया है और हमारा लक्ष्य पर्यटन अवसंरचना, आधुनिक सुविधाओं, पर्यटन सूचना केंद्रों और आतिथ्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों को उन्नत करने में 5000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करना है। मंदिरों, बावड़ियों और संग्रहालयों सहित विरासत स्थलों के संरक्षण और नवीनीकरण के साथ-साथ विरासत पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, ग्रामीण, पर्यावरण और साहसिक पर्यटन पर हमारा विशेष ध्यान है।

ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने पर फोकस

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजना सांभर झील और खींचन संरक्षण रिजर्व जैसे प्रमुख प्राकृतिक स्थलों पर केंद्रित है। भारत की सबसे बड़ी अंतर्देशीय नमक झील और एक जैव विविधता हॉट स्पॉट जो अपनी जीवंत राजहंस आबादी और विरासत मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। हम इस क्षेत्र को एक लक्जरी पर्यावरण-अनुकूल टेंट सिटी, उन्नत आगंतुक सुविधाओं और बेहतर सड़क पहुंच के साथ एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरूक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पर्यावरण संरक्षण के साथ पर्यटन विकास को संतुलित करते हुए पर्यावरण-अनुकूल बुनियादी ढांचे का विकास करना है।

MLA के विधानसभा जाते वक्त हुई घटना

समस्या नहीं सुनी तो विधायक रफीक खान के साथ धक्का-मुक्की

■ बीच बचाव में आए कांग्रेस विधायक के समर्थकों ने युवक को पीटा

बेधड़क | जयपुर

आदर्श नगर सीट से कांग्रेस विधायक रफीक खान पर एक युवक द्वारा गुरुवार को उनके आवास के बाहर मारपीट का मामला सामने आया है। अपने बनीपार्क स्थित आवास से जब रफीक खान विधानसभा जा रहे थे इस दौरान भागते हुए आए युवक ने उन पर हमला कर दिया।

इस दौरान वहां मौजूद खान के समर्थकों ने हमलवार को तुरंत पकड़कर उसकी पिटाई की। फिलहाल इस घटना में उन्हें किसी भी तरह की चोट नहीं आई है। घटना के बाद विधायक रफीक खान ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के मुताबिक युवक की पत्नी स्वास्थ्यकर्मी है। जब विधायक द्वारा युवक की समस्या नहीं सुनी गई तो वह नाराज हो गया और हमला कर दिया।

हमलावर CRPF का पूर्व जवान

इस घटना को लेकर डीसीपी अमित कुमार ने बताया कि विधायक रफीक खान के साथ मारपीट करने वाला आरोपी विकास सीआरपीएफ का पूर्व जवान है। पुलिस को सूचना मिलने के बाद उसे पकड़ लिया गया है।

गहलोत ने निंदा की

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने इस मामले को लेकर अपने 'एक्स' अकाउंट पर ट्वीट किया कि 'कांग्रेस विधायक दल के चीफ व्हीप रफीक खान पर हमले की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। एक विधायक पर इस तरह हमला राज्य में लचर हो चली कानून व्यवस्था का परिणाम है। इस हमले के दोषी व्यक्ति को सजा सुनिश्चित हो।

अवैध खनन के खिलाफ 100 से ज्यादा छापे, 8 FIR दर्ज

बेधड़क | जयपुर

राज्य में अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई और औचक निरीक्षण के लिए लगातार खनन विभाग सक्रिय है। माइनिंग डिपार्टमेंट की साथ अलग-अलग टीमों ने 100 से ज्यादा कार्रवाई को अंजाम दिया है। साथ ही आरसीसी और ईआरसीसी ठेकों के साथ ही वे-ब्रिजों का भी निर्देशित क्षेत्र और स्थान पर औचक निरीक्षण किया जा रहा है।

खान विभाग के निदेशक भगवती प्रसाद कलाल के मुताबिक अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ गठित टीमों ने 100 से ज्यादा कार्रवाई की है, जिसमें 8 एफआईआर भी दर्ज कराई जा चुकी है। इस कार्रवाई के दौरान 5 हजार टन से ज्यादा अवैध भंडारित खनिज जब्त करने के साथ ही 29 लाख से अधिक की जुर्माना राशि वसूल की गई है। इसके अलावा जिन्होंने मौके पर जुर्माना राशि जमा नहीं कराई है, उन्हें संबंधित थाने के सुपुर्द किया गया है।

राज्यपाल ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'प्राकृतिक खेती पर जागरूकता कार्यक्रम' में की शिरकत

गुणवत्ता व स्वच्छ पर्यावरण के लिए प्राकृतिक खेती अपनाना जरूरी: बागडे

बेधड़क | जयपुर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को 'प्राकृतिक खेती पर जागरूकता कार्यक्रम' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि न्यूनतम लागत, अधिक उपज, उच्च गुणवत्ता और स्वच्छ पर्यावरण के लिए प्राकृतिक खेती को अपनाना जरूरी है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि आज रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से जमीन की उर्वरा शक्ति प्रभावित हुई है। मिट्टी के मित्र कीटाणु और सूक्ष्म जीवों की संख्या में नगण्य रह गई हैं। इन उर्वरकों के कारण आज कैंसर जैसे असाध्य रोग के रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। राज्यपाल ने कहा कि एक दौर था जब देश के 40 करोड़ लोगों का पेट भरने हमारे पास पर्याप्त अन्न नहीं था। इस दौर में अन्नदाताओं ने भरपूर मेहनत की। इसकी बदौलत 140 करोड़ देशवासियों का पेट भरने के बाद भी अन्न के भंडार भरे हुए हैं। उन्होंने कृषि के साथ गोपालन करने का आह्वान किया। प्रदेश की गो आधारित सहकारिता कार्यों की सराहना की और कहा कि कृषि और पशुपालन से किसानों की आय बढ़ेगी।

जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान

राज्यपाल ने कहा कि 50 साल पहले तक कोई भी रासायनिक उर्वरकों का उपयोग नहीं करता था। परिस्थितिवश इनका उपयोग शुरू हुआ। आज इन उर्वरकों के अनेक दुष्परिणाम हमारे सामने हैं। उन्होंने कहा कि आज इतिहास की पुनरावृत्ति की जरूरत है और जरूरी है कि एक बार फिर हम प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हों। उन्होंने जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया और कहा कि गांव का पानी, गांव में ही रुके, ऐसे प्रयास किए जाएं। उन्होंने शून्य खर्च आधारित खेती के बारे में बताया और कहा कि यह भूमि अन्नपूर्णा है. सकारात्मक तरीके से इसका जितना उपयोग करेंगे, यह अधिक लाभ देगी।

श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता: मेघवाल

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने स्वामी केशवानंद के शिक्षा के विकास में दिए गए योगदान को याद किया और कहा कि 9 दिसंबर, 1925 को महाराजा गंगासिंह ने नहर लाने की कार्ययोजना शुरुआत की। उसके 100 वर्ष पूर्ण होने पर 'बीकानेर के सुशासन के सौ वर्ष' कार्यक्रम होगा। उन्होंने श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता जताई और कहा कि वनस्पति फोगला, केर, सांगरी और तुंबा आदि पर अनुसंधान किए जाने की जरूरत है।

मानव अस्तित्व को बनाए रखने के लिए प्राकृतिक खेती की ओर लौटना होगा: चौधरी

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्राकृतिक खेती हमारी प्राचीनतम पद्धति है। यह भूमि का प्राकृतिक स्वरूप बनाए रखती है। इस खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग के कारण भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित कर रहा है। मानव के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए हमें प्राकृतिक खेती की ओर लौटना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वप्न है कि देश का किसान खुशहाल हो।

पुस्तक का किया विमोचन

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। साथ ही संगोष्ठी के सत्रों एवं विषयों की जानकारी दी। इस दौरान राज्यपाल बागड़े ने 'फसल अवशेष प्रबंधन के लिए स्टबल चॉपर सह स्प्रेडर' पुस्तक का विमोचन किया। बागड़े ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित स्टबल चॉपर सह स्प्रेडर का लोकार्पण किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

जरूरी खबर

20 फीट गहरे गड्ढे में मिट्टी ढहने से मजदूर की मौत

जयपुर। वाटर हार्वेस्टिंग के लिए गड्ढा खोदकर पाइप डालने का काम करते समय गुरुवार दोपहर मिट्टी ढहने से एक मजदूर की मौत हो गई। करणी विहार थाना पुलिस ने एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस टीम की मदद से रात करीब 8 बजे मजदूर का शव निकाला। एसीपी वैशाली नगर आलोक गौतम ने बताया कि हादसा दोपहर करीब 2:30 बजे रंगोली गार्डन के पास हुआ। एक अपार्टमेंट के बाहर वाटर हार्वेस्टिंग के लिए लाइन डाली जा रही है। कालवाड़ रोड निवासी बीरवल (23) गड्ढा खोदकर पाइप डालने का काम कर रहा था। करीब 20 फीट गहरे गड्ढे में उतरकर पाइप डालते समय अचानक मिट्टी ढहने से वह दब गया था। जेसीबी की मदद से मिट्टी हटाकर दबे मजदूर को बाहर निकाल लिया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

12 साल की बच्ची के पेट से निकाली 2 किलो की गांठ

जयपुर। सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय में गुरुवार को चिकित्सकों ने ऑपरेशन करके एक 12 साल की बच्ची के पेट से 2 किलो की गांठ निकाली। इतनी छोटी उम्र में इस तरह की बड़ी गांठ का यह रेयर केस है। ऑपरेशन के बाद बच्ची खतरे से बाहर है। महिला चिकित्सालय में सीनियर स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. औबी नागर ने बताया कि सवाई माधोपुर के दूर-दराज के एरिया में रहने वाली 12 साल की बच्ची पिछले कुछ समय से लगातार पेट दर्द से परेशान थी। सवाई माधोपुर में भी दिखाने के बाद भी उसे कोई आराम नहीं मिला। दो दिन पहले जब वह हॉस्पिटल की ओपीडी में दिखाने आई तो उसका पेट सामान्य से कुछ ज्यादा ही बड़ा दिखा। ओपीडी में दिखाने के बाद बच्ची के पेट की सोनोग्राफी और एमआरआई करवाई गई। जांच रिपोर्ट में बच्ची की ओवरी (अंडाशय) में गांठ मिली।

मोती डूंगरी गणेश मंदिर में जन्मोत्सव 7 सितम्बर को, 9 दिन चलेंगे विभिन्न आयोजन

पुष्य नक्षत्र से 'श्रीगणेश', चांदी के सिंहासन पर विराजेंगे गजानन

बेधड़क | जयपुर

प्रथम पूज्य मोती डूंगरी गणेश मंदिर में इस साल गणेश चतुर्थी पर्व भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी, शनिवार 7 सितंबर को मनाया जाएगा। 9 दिन चलने वाले इस उत्सव का श्रीगणेश 31 अगस्त को पुष्य नक्षत्र पर भगवान गणेश के पंचामृत अभिषेक के साथ होगा। इस दिन भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा का 251 किलोग्राम दूध, 25 किलोग्राम बूरा, 50 किलोग्राम दही, 11 किलोग्राम शहद और 11 किलोग्राम घी से अभिषेक होगा। इस मौके पर 501 महिलाएं कलश यात्रा लेकर मोती डूंगरी पहुंचेगी।

इस उत्सव के अगले दिन यानी 1 सितंबर की शाम 7 बजे मंदिर परिसर में ध्रुपद गायन कार्यक्रम होगा। मान्यता है कि भगवान श्री गणेश को ध्रुपद गायन सबसे प्रिय है, जिसके कारण इस दिन भजन संध्या ध्रुपद गायन के साथ शुरू की जाएगी। अगले दो दिन यानी 2 और 3 सितंबर की शाम को कत्थक नृत्य का कार्यक्रम होगा।

4 को सजेगी मोदकों की झांकी

4 सितम्बर को मोदकों की भव्य झांकी मंदिर में भगवान श्री गणेश के समक्ष सजाई जाएगी। इस झांकी के दर्शन श्रद्धालुओं के लिए सुबह 5 बजे से शुरू हो जाएंगे। इस दिन मंदिर परिसर में बाहर से आया प्रसाद नहीं चढ़ाया जाएगा। झांकी का मुख्य आकर्षण 251-251 किलो के दो विशाल मोदक होंगे। इन दोनों के अलावा 51-51 किलो के 5 मोदक, 21-21 किलो के 21 मोदक, 1.25-1.25 किलो के 1100 मोदक और हजारों की संख्या में अन्य छोटे मोदक रखे जाएंगे। इस पूरी प्रसादी को बनाने में करीब 2500 किलो शुद्ध घी, 3 हजार किलो बेसन, 9 हजार किलो शक्कर और करीब 100 किलो सूखे मेवों का उपयोग किया जाएगा।

धारण करेंगे स्वर्ण मुकुट

6 सितंबर को भगवान गणेश जी महाराज का विशेष शृंगार होगा। इसमें भगवान को स्वर्ण मुकुट भी धारण करवाया जाएगा। यह मुकुट साल में सिर्फ गणेश चतुर्थी के दिन ही भगवान को धारण कराया जाता है। भगवान का विशेष पोशाक धारण करवाई जाएगी। चांदी के सिंहासन पर विराजमान होंगे। शृंगार के दौरान गणेशी जी को नौलखा हार जिसमें मोती, सोना, पन्ना, माणक आदि के भाव स्वरूप दर्शाए गए हैं, धारण कराया जाएगा।

3100 किलो मेहंदी करेंगे धारण

जन्मोत्सव कार्यक्रम में 6 सितम्बर को प्रथम पूज्य का सिंजारा मनाया जाएगा। मोतीडूंगरी गणेश जी मंदिर के महंत कैलाश शर्मा के सानिध्य में इस दिन गणेश जी को 3100 किलो मेहंदी धारण कराई जाएगी। ये मेहंदी पाली के सोजत से मंगवाई जाएगी। मेहंदी धारण के बाद इसे श्रद्धालुओं को वितरित किया जाएगा। मेंहदी प्रसाद वितरण की व्यवस्था मंदिर परिसर में पांच स्थानों पर होगी। मेहंदी वितरण पूजा के बाद रात्रि 7:30 बजे से किया जाएगा। महिला एवं कन्याओं के लिए डोरा एवं मेहंदी की व्यवस्था अलग पंक्ति में होगी।

7 सितंबर को जन्मोत्सव, 8 को भव्य शोभा यात्रा

7 सितंबर को जन्मोत्सव के दिन विशाल मेला लगेगा। मंदिर परिसर दर्शन के लिए सुबह चार बजे मंगला आरती के साथ शुरू हो जाएंगे। इसके बाद विशेष पूजन सुबह 11.20 बजे, शृंगार आरती 11:30 बजे, भोग आरती दोपहर 2:15 बजे, संध्या आरती शाम 7 बजे और शयन आरती रात्री 11:45 बजे होगी। 8 सितंबर को भगवान श्री गणेश शहर भ्रमण पर निकलेंगे। इस दौरान मोती डूंगरी गणेश मंदिर से भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। ये शोभा यात्रा शाम को मोती डूंगरी मंदिर से निकलकर गढ़ गणेश मंदिर तक पहुंचेगी।

भजनलाल शर्मा ने अस्पताल में भी सुनी आमजन की समस्याएं

जांच करवाने SMS पहुंचे CM, दिया लोगों की 'पीड़ा' के इलाज का भरोसा

■ मुख्यमंत्री ने एंजियोग्राफी और आंखों की जांच करवाई, रिपोर्ट नॉर्मल

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज अचानक सवाई मानसिंह हॉस्पिटल पहुंचे। रूटीन जांच के लिए पहुंचे मुख्यमंत्री ने सबसे पहले डॉक्टरों से चर्चा की। उसके बाद बांगड़ परिसर स्थित एमआरआई सेंटर पहुंचे। यहां उन्होंने हार्ट की जांच के लिए सिटी एंजियोग्राफी करवाई।

बांगड़ परिसर में ही जांच करवाने के बाद मुख्यमंत्री चरक भवन भी पहुंचे। जहां उन्होंने अपनी आंखों के विजन को लेकर आई साइट की जांच करवाई। इस दौरान सीएम के साथ एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, डॉ. मनीष अग्रवाल, गिरधर गोयल के अलावा अस्पताल प्रशासन के अन्य चिकित्सक मौके पर मौजूद रहे। डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि सीएम की सिटी एंजियोग्राफी की रिपोर्ट बिल्कुल नॉर्मल है। वे केवल रूटीन जांच करवाने के लिए हॉस्पिटल पहुंचे थे। आंखों को लेकर भी उनके चश्मे के नंबर और आंखों की जांच करवाने के लिए चरक भवन गए। यहां सीएम की आई साइड के अलावा रेटिना से जुड़ी जांचे भी की गई। नेत्र विभाग के एचओडी और सीनियर डॉक्टर पंकज शर्मा ने बताया कि सीएम के डायबिटिज होने के कारण उनकी आंखों की कुछ जांचे की गई, जिसमें उनकी रिपोर्ट नॉर्मल आई।

सीएम ने सुनी जनता की शिकायतें

चेकअप के बाद जैसे ही सीएम अस्पताल से बाहर आए तो वहां मौजूद लोगों की भारी भीड़ उनसे मिलने पहुंच गई। सबसे पहले लोगों ने सीएम का हालचाल जाना, इसके बाद उन्होंने अपनी-अपनी शिकायतें बताईं और सीएम से कुछ राहत दिलाने की मांग की। कुछ लोगों ने अस्पताल में हो रही परेशानियों का भी सीएम से जिक्र किया, जिसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्राचार्य दीपक माहेश्वरी को कार्रवाई के निर्देश दिए। कुछ लोगों की शिकायतें लेने के बाद सीएम ने उन्हें कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया।

विनायक शर्मा ने किया पोस्टर विमोचन

ब्राह्मण प्रतिभाओं और भामाशाहों का किया जाएगा सम्मान

बेधड़क | जयपुर

श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना संघ गंगापुर सिटी प्रदेश स्तरीय ब्राह्मण प्रतिभा व भामाशाह सम्मान समारोह और युवा संसद का आयोजन करने जा रही है। गंगापुर सिटी के भगवती पैलेस, गणेश मील में 1 सितंबर को होने वाले इस कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन सच बेधड़क मीडिया ग्रुप के फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा ने गुरुवार को जयपुर में सच बेधड़क के कार्यालय में किया। इस मौके पर सेना संघ ने विनायक शर्मा को समारोह में आमंत्रित किया। बता दे की परशुराम सेना संघ पिछले 10 साल से ब्राह्मण समाज में अपनी भूमिका निभाती आई है और लगातार ऐसे कार्यक्रम करती आ रही है। परशुराम सेना संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता सूरज शर्मा ने बताया कि 1 सितंबर को होने वाले इस कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में ब्राह्मण समाज के छात्र-छात्राओं, विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाली समाज की प्रतिभाओं और भामाशाहों को सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर समाज के कई विशेष मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर सच बेधड़क के फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए ख़बर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

भवन मानचित्र समिति बिल्डिंग प्लान की बैठक

विशेष योग्यजन प्रावधान तोड़े तो कार्रवाई

बेधड़क | जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण शहर में निर्मित परियोजनाओं में भवन विनियम में विशेष योग्यजन के लिए बनाए गए प्रावधनों का उल्लघंन करने वालों पर कार्रवाई करेगा। आयुक्तालय, विशेष योग्यजन से कई अनुमोदित प्रकरणों में अनियमिताओं को लेकर शिकायतें प्राप्त हुई हैं। जयपुर की भवन मानचित्र समिति बिल्डिंग प्लान की 300वीं बैठक में संबंधित विकासकर्ता एवं वास्तुविद के विरूद्ध प्राप्त शिकायतों के लिए चर्चा की गई। जेडीसी मंजू राजपाल ने बताया कि आयुक्तालय, विशेष योग्यजन से प्राप्त पत्रों और निर्देशों के क्रम में प्रश्नगत परियोजनाओं की जल्द मौका रिपोर्ट करते कर विशेष योग्यजन के प्रावधानों के अनुरूप मौके पर निर्माण नहीं पाए जाने पर संबंधित विकासकर्ता एवं वास्तुविद को नोटिस जारी किए जाने के लिए निर्देश प्रदान किए गए है। भविष्य में भी मौके पर समस्त परियोजनाओं में विशेष योग्यजन को सुगम व्यवस्था उपलब्ध करवाने की दृष्टि से विकासकर्ता एवं वास्तुविद के द्वारा प्रचलित भवन विनियमानुसार विशेष योग्यजन के लिए उल्लेखित प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करवाई जाए तथा इस के लिए समस्त उपायुक्त जोन को भी निर्देशित किया गया। जेडीए द्वारा उक्त प्रावधानों के उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

तीन ट्रक सामान जब्त, 37 हजार रुपए का चालान

जयपुर। सतर्कता शाखा ने अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ गुरुवार को 35 से अधिक स्थानों पर कार्रवाई की। इस दौरान तीन ट्रक सामान जब्त किया गया और 37 हजार रुपए का चालान काटा गया। सतर्कता शाखा उपायुक्त पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में बड़ी चौपड़ से छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार से छोटी चौपड़, नाहरगढ़ रोड, गणगौरी बाजार, ब्रह्मपुरी, गंगापोल, सिंधी कैंप मेट्रो स्टेशन गेट नंबर 1-2, शांति नगर B गुर्जर की थड़ी, गंगा जमुना पेट्रोल पंप श्री राम फर्नीचर, श्याम नगर मेट्रो स्टेशन एंट्री गेट नंबर 1 तक 35 स्थान से अतिक्रमण हटाए गए।

कांवटिया अस्पताल भूखंड मामले में एसीबी जांच शुरू

बेधड़क | जयपुर

हेरिटेज नगर निगम द्वारा कांवटिया अस्पताल के पास स्थित भूखंड की नीलामी के मामले में एसीबी जांच की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा की लिखित शिकायत के आधार पर परिवाद दर्ज करके जांच अधिकारी को मामला सुपुर्द कर दिया है। यह जानकारी विधायक शर्मा ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। शर्मा ने बताया कि मंगलवार को ही उन्होंने एसीबी जांच के लिए पत्र लिखा था और प्रकरण से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए जांच की अनुशंसा की थी।

प्रेस वार्ता के दौरान शर्मा ने कहा कि कुछ लोगों के निजी लाभ के लिए व्यापक जनहित को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए जनता के सामने सच्चाई लाना आवश्यक है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की श्याम ट्रेडर्स नमकीन फैक्ट्री पर कार्रवाई

गंदगी के बीच में पाम ऑयल से बना रहे थे नमकीन

बेधड़क | जयपुर

गंदगी के बीच नमकीन बनाई जा रही थी वह भी पाम ऑयल से। यह हालात देखने को मिले जब खाद्य सुरक्षा अधिकारियों का दल गोपालपुरा स्थित चेतन विहार में श्री श्याम ट्रेडर्स नमकीन की फैक्ट्री पर निरीक्षण के लिए पहुंचा। दल ने खाद्य नमूनीकरण की कार्रवाई की। इस दौरान फैक्ट्री में बेतहाशा गंदगी पाई गयी, फर्श पर ही नमकीन, भुजिया, रतलामी सेव, नमकीन बूंदी फैले थे, जिन्हें केशव, माधव ब्रांड नाम से पैक कर बाजार में खपाने की तैयारी थी। ये खाद्य सामग्री पॉम ऑयल में बनाई जा रही थी। यह कार्रवाई आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान इकबाल खान के निर्देशन में अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा की मौजूदगी में गुरुवार को की गई। अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि फर्श पर गंदगी फैली हुई थी। उन्हीं के बीच खाद्य सामग्री का निर्माण खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन है, जिसके लिए फर्म मालिक गिर्राज प्रसाद मरेठा को नियमानुसार सुधार कराने के लिए पाबंद किया है। ओझा ने फर्म मालिक को सख्त हिदायत देते हुये सुधार करने के निर्देश दिए।

फैक्ट्री से यूज्ड कुकिंग ऑयल, मिर्च पाउडर और हल्दी, बेसन नमकीन के नमूने लिए लिए गए, जिन्हें जांच के लिए राज्य केन्द्रीय खाद्य जांच प्रयोगशाला जयपुर भिजवाए गए हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम एवं विनियम 2011 के अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। समस्त कार्रवाई में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक सिंधी, रमेश चंद यादव एवं अवधेश गुप्ता शामिल रहे।

ज्यूस संचालक को दिया नोटिस

इस कार्यवाही से पहले टीम ने आज फिर से बगड़ियां भवन स्थित ज्यूस सेंटर का निरीक्षण किया। यहां आज भी ज्यूस बनाने वाली जगह बहुत गंदगी दिखी। इसके अलावा फ्रिज और अन्य जगहों पर भी कल की तरह गंदगी दिखने पर ज्यूस सेंटर संचालक को नोटिस जारी किया। साथ ही 24 घंटे की मोहलत देते हुए सफाई व्यवस्था सुधारने की हिदायत दी।

गिरफ्तारी वारंट पर लगाई रोक

जेडीसी और जेडीए सचिव को हाई कोर्ट से मिली राहत

बेधड़क | जयपुर

जेडीसी मंजू राजपाल और जेडीए सचिव हेमपुष्पा शर्मा को हाई कोर्ट से राहत मिल गई हैं। जस्टिस अनिल उपमन की अदालत ने जिला उपभोक्ता आयोग जयपुर-चतुर्थ द्वारा जारी वारंट पर रोक लगा दी हैं। उपभोक्ता आयोग ने जेडीए सचिव हेमपुष्पा शर्मा को गिरफ्तारी वारंट और जेडीसी मंजू राजपाल को जमानती वारंट से तलब किया था।

आयोग के आदेश के खिलाफ दोनों अधिकारी हाई कोर्ट पहुंची थी। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों को अंतरिम राहत दी हैं। दरअसल, परिवादी शंभूदयाल के प्रार्थना पत्र पर जिला उपभोक्ता आयोग ने 26 जुलाई 2013 को जेडीए पर 25 हज़ार का जुर्माना लगाते हुए परिवादी को पृथ्वीराज नगर (पीआरएन) में भूखंड का कब्ज़ा देने का निर्देश दिया था। लेकिन जेडीए ने आदेश की पालना करने की बजाए, पहले राज्य उपभोक्ता आयोग और बाद में राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग में फैसले को चुनौती दी। दोनों जगह से जेडीए हारा और जिला उपभोक्ता आयोग का फैसला बरकरार रहा।

इसके बाद जेडीए ने आयोग के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज़ कर दिया। इसके बाद भी जेडीए ने जिला उपभोक्ता आयोग के आदेश की पालना नहीं की। इस पर आयोग ने जेडीए सचिव और जेडीसी को वारंट से तलब किया था।

जरूरी खबर

ट्रेन से टकराने से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत

चित्तौड़गढ़। जिले में निंबाहेड़ा-नीमच रेललाइन पर ट्रेन की टक्कर से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत हो गई। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वन्य जीव प्रेमियों के सहयोग से राष्ट्रीय पक्षी मोर का राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार करवाया गया। इससे पहले पशुपालन विभाग से टीम गठित कर बोर्ड से पोस्टमार्टम हुआ। चित्तौड़गढ़ जिले में वन विभाग निंबाहेड़ा के रेंजर राजेंद्र चौधरी ने बताया कि सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। मोर के शव को कब्जे में लिया। मेडिकल बोर्ड का गठन कर राष्ट्रीय पक्षी के शव का पोस्टमार्टम करवाया गया।

30 हजार की घूस लेते होमगार्ड का जवान गिरफ्तार

अलवर। एसीबी ने गुरुवार को अलवर में न्यायालय परिसर के मुख्य गेट के बाहर से एक होमगार्ड के जवान को रिश्वत लेने के आरोप में रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी होमगार्ड का जवान सहजुद्दीन परिवादी से रुपए लेकर गिन रहा था। इसी दौरान एसीबी ने आरोपी को धरदबोचा। उसके पास से रिश्वत की राशि जब्त कर ली। आरोपी ने परिवादी से 30 हजार रुपए लिए थे। एसीबी के उपाधीक्षक महेंद्र मीणा ने बताया कि होमगार्ड के जवान ने परिवादी से उसके साले को होमगार्ड में नौकरी लगवाने के नाम पर 3 लाख रिश्वत देने की मांग की थी।

टीवी कलाकार शैलेश लोढ़ा के पिता का निधन

जोधपुर। टीवी कलाकार शैलेश लोढ़ा के पिता श्याम सिंह लोढ़ा का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे पिछले करीब डेढ़ महीने से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा था। इसके चलते शैलेश लोढ़ा भी पिछले डेढ़ महीने से जोधपुर में ही थे। निधन के बाद शैलेश लोढ़ा ने पिता के नेत्रदान का फैसला लिया। आई बैंक सोसाइटी की टीम बासनी स्थित उनके घर पहुंची। इसके बाद वहीं नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी की गई। शुक्रवार सुबह 10 बजे सिवांची गेट शमशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। निधन का समाचार मिलने के बाद रिश्तेदारों और मित्रों का उनके घर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया।

उदयपुर में नारायण सेवा संस्थान का दो दिवसीय भव्य विवाह समारोह आज से

102 दिव्यांगों का सूना जीवन बनेगा सतरंगी...विवाह एक को

बेधड़क | उदयपुर

शहनाई के मुबारक के स्वर, मेहंदी रची हथेलियां, कल्पना से भी परे जीवंत होने वाले सुनहरे पल, खुशियों और उल्लास की वह मंगल वेला अब ज्यादा दूर नहीं है, जब दिव्यांग एवं निर्धन जोड़े पवित्र अग्नि के सात फेरे लेकर जन्म-जन्म के साथी बन जाएंगे।

विवाह स्थल के लिए विशाल पंडाल सज गया है, तैयारी और उत्साह चरम पर है। दूल्हा-दुल्हन, दोस्त-रिश्तेदार और देश के विभिन्न राज्यों से धर्म-पिता बनने वाले कन्यादानियों के उदयपुर पहुंचने का क्रम शुरू हो गया है। नारायण सेवा संस्थान के मीडिया प्रभारी विष्णु शर्मा हितैषी ने बताया कि समारोह की भव्य और व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। एक सितंबर को होने वाले विवाह के लिए मीडिया प्रभारी विष्णु शर्मा हितैषी, जनसंपर्क प्रमुख भगवान प्रसाद गौड़ एवं सामूहिक विवाह संयोजक रोहित तिवारी द्वारा पोस्टर जारी किया गया। उन्होंने बताया कि विवाह स्थल पर विशाल एवं भव्य डोम बनाया गया है। जोड़ो व उनके परिजनों का संस्थान के वाहनों से यहां पहुंचने का सिलसिला शुरू हो चुका है। समारोह में राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा सहित देश के विभिन्न राज्यों के जोड़े एक-दूसरे के जीवन साथी बनेंगे। इनमें कई दूल्हा-दुल्हन जन्मजात या फिर किसी दुर्घटना की वजह से निःशक्तता का दंश झेल रहे हैं तो कुछ भावी जोड़े ऐसे भी है जिनमें एक दिव्यांग है तो साथी सकलांग है। शहनाई के स्वर और मेहंदी की लालिमा उनके जीवन के सुनेपन को सदा के लिए दूर कर नए रंगों से सराबोर कर देगी।

आज से शुरू होगी रस्में

सामूहिक विवाह के संयोजक रोहित तिवारी ने कहा कि विवाह समारोह की शुरुआत 31 अगस्त को सुबह गणपति स्थापना, हल्दी व मेहंदी रस्म अदायगी के साथ होगी। शाम को महिला संगीत का आयोजन होगा। इसमें मेहमान और धर्म माता-पिता व कन्यादानी जन हिस्सा लेंगे।

स्वर्णिम जीवन की करेंगे शुरुआत

किसी का भावी जीवन साथी जन्मजात प्रज्ञाचक्षु है, तो उसका साथी अपनी आंखों से उसकी राहों को रोशन कर देगा। कोई एक पांव से असक्षम है तो कोई दोनों पांव से जिसका साथी उसका सहारा बनकर गृहस्थी के सुंदर सपने बुनने को उत्साहित है। यह सभी मन में उमंग लेकर बीते कल की कड़वी यादों को भूलकर नए स्वर्णिम जीवन की शुरुआत करेंगे। इन जोड़ों में 26 दिव्यांग एवं 25 गरीब परिवारों के जोड़े हैं। विवाह स्थल पर 51 वेदियां तैयार की गई है, प्रत्येक वेदी पर अग्निकुंड के सात वचनों व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सात फेरे दिलवाने के लिए आचार्य मौजूद रहेंगे। विवाह की सभी रस्में पूर्ण विधि-विधान से होगी।

विवाह की स्मृति में करेंगे पौधरोपण

संस्थान के जनसंपर्क प्रमुख एवं प्रवक्ता भगवान प्रसाद गौड़ ने बताया कि 1 सितंबर को प्रस्तावित इस बार विवाह समारोह की थीम प्रधानमंत्री नरेंद्र जी मोदी के आव्हान 'एक पेड़ मां के नाम' है। इसमें विवाहपरांत प्रतीकात्मक रूप से पौधरोपण के बाद हर जोड़े को विभिन्न प्रजातियों का एक-एक पौधा प्रदान किया जाएगा ताकि वे अपने विवाह की स्मृति में उसे अपने घर-आंगन में रोप सकें और विवाह की मधुर स्मृतियों को सदा संजोकर हरे-भरे पेड़ की ही भांति अपना दांपत्य जीवन भी खुशहाल बनाएं।

तरंग शक्ति-2024: एयरफोर्स का सबसे बड़ा अभ्यास आज से

जोधपुर में सात देशों के लड़ाकू विमान दिखाएंगे अपनी ताकत

बेधड़क | जोधपुर

भारत में हो रहे पहले मल्टीनेशन एयर एक्सरसाइज 'तरंग शक्ति-2024' के दूसरे चरण के तहत अलग-अलग देशों की एयरफोर्स के जवान अपने-अपने फाइटर जेट के साथ जोधपुर पहुंच गए हैं। यहां शुक्रवार को इस वॉर एक्सरसाइज का औपचारिक उद्घाटन होगा। इसमें युद्धाभ्यास में भाग लेने वाली टीमों के प्रमुख शामिल होंगे। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल अमिताभ शर्मा के मुताबिक, शुक्रवार शाम 4:30 बजे जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर उद्घाटन समारोह होगा।

इसमें भारत के अलावा अमेरिका, ग्रीस, यूएई, सिंगापुर, श्रीलंका, जापान और आस्ट्रेलिया की एयरफोर्स भाग लेगी। एक्सरसाइज का पहला चरण शुलूर एयरबेस पर हुआ था। अब दूसरा चरण जोधपुर एयरबेस पर हो रहा है। दूसरे चरण में भारत समेत जापान, अमेरिका, ग्रीस, यूएई और हंगरी वायु सेना का दल हिस्सा ले रहा है। इसमें तेजस, सुखोई के साथ लूफ्तवाफे जर्मन एयरफोर्स, स्पेनिश एयरफोर्स के यूरोफाइटर टाइफून एक्सरसाइज करेंगे। लड़ाकू विमानों को अलग-अलग देश के वायुसेना अधिकारी उड़ाएंगे। एक्सरसाइज में शामिल देशों के जहाज भारत की पश्चिमी सीमा से लेकर कश्मीर तक अभ्यास करेंगे। इसके अलावा चांधन स्थित रेंज में टारगेट हिटिंग की प्रैक्टिस भी होगी।

जहाज और हेलिकॉप्टर पहुंचे जोधपुर

'तरंग शक्ति-2024' एक्सरसाइज का औपचारिक उद्घाटन शुक्रवार को होगा। इस एक्सरसाइज एक्सरसाइज में शामिल देशों के हवाई बेड़े जोधपुर पहुंच गए हैं। अमेरिका का सी-17 ग्लोबमास्टर जोधपुर एयरबेस पर उतर गया है। इसी तरह से जापान का बेड़े भी जोधपुर पहुंच चुका है। ग्रीस और सिंगापुर एयरफोर्स का बेड़ा भी जोधपुर पहुंच गया है।

14 सितंबर तक चलेगा अभ्यास

'तरंग शक्ति-2024' के दूसरे चरणभारत के अलावा सात देशों की एयरफोर्स के इस संयुक्त युद्धाभ्यास में शामिल होंगे। जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन से 14 सितंबर तक लगातार देशों के प्लेन गरजेंगे। इनमें फाइटर प्लेन के साथ-साथ हेलिकॉप्टर, ग्लोबमास्टर आसमान मे नजर आएंगे। इसके अलावा भारत के राफेल, सुखोई, तेजस, अमेरिका के एफ सीरीज के लडाकू विमान का शोर लोगों को रोमाचिंत करेगा।

वैश्विक मंच पर स्वदेशी हथियारों की नुमाइश करेगा भारत

भारत में बने हथियारों और लड़ाकू हेलिकॉप्टर व फाइटर प्लेन का प्रदर्शन दुनिया के सामने होगा। तमिलनाडु के सुलार एयरबेस में प्रचंड और तेजस ने जलवा बिखेरा था। अब पश्चिमी राजस्थान की आबोहवा में विश्व की शक्तिशाली एयरफोर्स के सामने स्वदेशी फाइटर तेजस और अटैक हेलिकॉप्टर प्रचंड की ताकत दिखाई जाएगी। एक्सरसाइज के दौरान विदिन विजयुल रेंज (वीवीआर) कॉम्बेट मिशन, बीवीआर (बियोंड विजयुल रेंज) मिशन, लार्ज फोर्स इंगेजमेंट, एयर मोबिलिटी ऑपरेशन्स, डायनेमिक टारगेटिंग, एयर टू एयर रिफ्यूलिंग मिशन, कॉम्बेट सर्च एंड रेस्क्यू जैसे कई मिशन का अभ्यास किया जाएगा।

अमेरिकी चीफ जोधपुर में उड़ाएंगे भारत का तेजस

जोधपुर के आसमान में पहली बार दुनिया के सबसे ताकतवर अमेरिकी वायुसेना प्रमुख जनरल डेविड डब्ल्यू एल्विन, ऑस्ट्रेलियाई वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल स्टीफन चैपल, जापानी एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के प्रमुख जनरल हिरोआकी उचिकुरा, यूएई डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इस्सा अल मजरूई और भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल वीआर चौधरी विमान उड़ाएंगे। खास बात यह है कि यूएस चीफ हमारा स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस उड़ाएंगे। सुखोई, राफेल जैसे विमानों का प्रदर्शन भारत करेगा। जोधपुर एयरबेस पर 14 सितंबर तक 7 देशों के विमान ताकत दिखाएंगे। 12 सितंबर को सभी देशों के एयर चीफ जोधपुर आएंगे।

कोर्ट ने 31 हजार का आर्थिक दंड भी किया

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष का कठोर कारावास

बेधड़क | अजमेर

नाबालिग बच्ची को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी को अजमेर की पॉक्सो कोर्ट संख्या दो ने 20 साल के कठोर कारावास के साथ ही 31 हजार रुपए के आर्थिक दंड से दंडित किया है विशिष्ट लोक अभियोजक विक्रम सिंह शेखावत ने बताया कि 11 अप्रैल, 2023 को गंज थाने में पीड़िता के परिजनों ने 15 वर्षीय नाबालिग के लापता होने का मामला दर्ज कराया था।

पुलिस ने पड़ताल की तो सामने आया कि पड़ोस में रहने वाला एक युवक उसे अगवा कर गया था। पीड़िता स्कूल में परीक्षा देने जा रही थी, तभी उसे अगवा कर लिया था। मामले में अनुसंधान करते हुए पुलिस ने 14 अप्रैल, 2023 को पीड़िता को जयपुर से दस्तयाब किया। उसके बाद पुलिस ने पीड़िता का कोर्ट में धारा 161 और 164 का बयान दर्ज कराया और उसका मेडिकल कराया गया। पुलिस ने प्रकरण में एफएसएल और डीएनए जांच भी करवाई, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। विशिष्ट लोक अभियोजक ने बताया कि प्रकरण में 17 अप्रैल, 2023 को आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। साथ ही केस में पॉक्सो और दुष्कर्म की धारा जोड़ कर आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया गया।

FSL और DNA रिपोर्ट बनी सजा का आधार

विशिष्ट लोक अभियोजक शेखावत ने बताया कि प्रकरण में अभियोजन पक्ष की ओर से 14 गवाह और 32 दस्तावेज पेश किए गए। कोर्ट में आरोपी को सजा का आधार एफएसएल और डीएनए रिपोर्ट बनी। इसी के आधार पर कोर्ट ने आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा और 31 हजार रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया। विशिष्ट लोक अभियोजक ने बताया कि आरोपी को सजा सुनाने के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट ने टिप्पणी करते हुए लिखा कि वर्तमान परिपेक्ष में अवयस्क बालिकाओं के साथ बढ़ते इस प्रकार के अपराधिक कृतियों और उक्त प्रकृति के अपराधों पर रोकथाम के लिए पॉक्सो अधिनियम की मंशा और आरोपी की प्रकृति को दृष्टिगत रखते हुए अभियुक्त को आरोपित अपराध के लिए दंडित किया गया जाना न्यायोचित है।

हिंदुस्तान जिंक के दरीबा माइंस में हादसा

मलबा गिरने से 2 की मौत

राजसमंद। हिंदुस्तान जिंक की एसके माइंस में गुरुवार अलसुबह हादसा हो गया, जिसमें दो श्रमिकों की मौत हो गई। बुधवार रात को एसके माइंस में सी शिफ्ट में टेक्नों कम्पनी के श्रमिक जंबो ड्रिल मशीन से ड्रिलिंग का काम कर रहे थे। इस दौरान गुरुवार अलसुबह माइंस में मलबा मशीन पर गिर गया, जिससे मशीन स्लिप होकर गड्ढे में चली गई। इस दौरान मशीन पर काम रहे उत्तर प्रदेश निवासी मनीष कुमार व गिलूण्ड के पास गंगास निवासी बहादुर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। बाद में हिंदुस्तान जिंक के स्टाफ द्वारा दोनों मृतकों के शवों को हिन्दुस्तान जिंक के हॉस्पिटल में रखवाया गया। हादसे के बाद कुछ श्रमिक जिंक गेट के बाहर जमा हो गए, वही मौके पर रेलमगरा थाना इंचार्ज भी मय जाब्ता के पहुंचे और हालात की जानकारी ली। कंपनी के अनुसार एसके खदान में देर रात ड्रिलिंग के दौरान दुर्घटना पर कंपनी की टीम ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

मेजर ध्यानचंद के बेटे ने दी ट्रेनिंग

बेटियों के हुनर के कारण अलवर में 'हॉकी का गांव' बना खुदनपुरी

बेधड़क | अलवर

जिले में जब भी हॉकी की बात की जाती है, तब अलवर शहर के समीप खुदनपुरी गांव का नाम भी जरूर आता है। कारण है कि यहां की लड़कियों ने हॉकी के खेल में अपने भविष्य को संवारने की राह चुनी है, जो धीरे-धीरे सही साबित हो रही है।

किसी समय में यहां की लड़कियां मात्र घरों में चूल्हा चौका तक सीमित थी, अब इस गांव की हर घर में लड़की हॉकी के खेल में अपना भविष्य बनाने की ओर निकल पड़ी हैं। गांव की लड़कियों को हॉकी के खेल से जोड़ने में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खुदनपुरी के शारीरिक शिक्षक विजेंद्र सिंह की अहम भूमिका रही, जिन्होंने लड़कियों को घरों से निकालकर मैदान तक पहुंचाया। यह लड़कियां आज राष्ट्रीय स्तर तक परचम फहरा रहीं हैं। लड़कियों के हॉकी के हुनर को देखते हुए मेजर ध्यानचंद के बेटे अशोक ध्यानाचंद ने अलवर में शिविर के माध्यम से प्रशिक्षण भी दिया। शारीरिक शिक्षक और खुदनपुरी खेल ग्राउंड पर हॉकी कोच विजेंद्र सिंह नरूका ने बताया कि खुदनपुरी की लड़कियों ने हॉकी को अलवर में एक विशेष नाम दिलवाया। लड़कियों का प्रदर्शन इतना बेहतर व प्रभावशाली रहा कि हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद के बेटे अशोक ध्यानचंद ने भी साल 2023 में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर अलवर में लगाकर बालिकाओं को प्रशिक्षण दिया और हॉकी के खेल की बारीकियां सिखाई। उन्होंने कहा कि अशोक ध्यानचंद लड़कियों के खेल के हुनर से प्रभावित हुए।

कई बच्चियों ने संवारा भविष्य

विजेंद्र सिंह नरूका ने बताया कि पहले हॉकी के लिए लड़कियों के पास इक्विपमेंट,कपड़े, जूते नहीं थे। भामाशाह की मदद से लड़कियों को सभी जरूरी चीज उपलब्ध करवाई गई। तब कुछ लड़कियों के मन में यह लगा कि यहां पर यह सब चीज मुफ्त में मिलती है, घूमने के लिए मिलता है, इसके लिए वे हॉकी से जुड़ीं, लेकिन मैदान में आने के बाद उनका जुड़ाव इस तरह से हुआ कि उनकी मेहनत आज रंग ला रही है। खुदनपुरी की 70 से 80 लड़कियां अलग-अलग स्तर पर परचम लहरा चुकी हैं। यहां रहने वाली 10 लड़कियां राष्ट्रीय स्तर, 8 लड़कियां अंतर विश्वविद्यालय महिला हॉकी प्रतियोगिता व 20 लड़कियां राज्य स्तर पर खेल रहीं हैं। उनकी इसी लगन और मेहनत के चलते कई लड़कियां महिला हॉकी एकेडमी अजमेर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

खेल दिवस पर 40 किलोमीटर साइकिल रेस

बीकानेर। मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे राष्ट्रीय खेल सप्ताह के तहत गुरुवार को खेल दिवस के उपलक्ष्य में 40 किलोमीटर महिला और पुरुष दोनों वर्ग साइकिल रेस आयोजित करवा कर विजेताओं को सम्मानित किया गया। कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित ने मुख्य अतिथि की भूमिका में मेजर ध्यानचंद के जीवन के रोचक प्रसंग मंच से सुनाते हुए खिलाड़ियों से अपील की कि उन्हें संसाधन, प्रशिक्षण के अलावा उचित खुराक पर भी उतना ही ध्यान देना चाहिए क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों की खुराक तक उनके कोच द्वारा तय की जाती है जिससे उनका एनर्जी लेवल बना रहे। इस अवसर पर पुरुष वर्ग से विजेता मानव सारडा, सुरेश, अशोक व महिला साइक्लिस्ट मोनिका जाट, बसंती जाट, कविता सियाग को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर ट्रेक सूट और स्मृति चिह्न देकर पुरस्कृत किया गया।

व्यवसायियों ने राइजिंग राजस्थान प्रोग्राम के बेहतर प्रमोशन की रखी मांग

सेमीकंडक्टर रिवोल्यूशन के लिए तैयार है हमारा राजस्थान

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान सेमीकंडक्टर रिवोल्यूशन के लिए तैयार है, राइजिंग राजस्थान के अवसर पर इसका फायदा लेना चाहिए। यह कहना है अखिल राज्य ट्रेड एण्ड इण्डस्ट्री एसोसिएशन (आरतिया) का।

संगठन के अध्यक्ष विष्णु भूत एवं मुख्य संरक्षक आशीष सर्राफ का कहना है कि राजस्थान में 3324 लाख टन सिलिकान क्वाट्र्ज के भंडार है।

यह इलेक्ट्रोनिक ग्रेड का सिलिकॉन है, जिससे सिलिकॉन मेटल और बाद में प्रोसेस कर चिप्स बनाई जाती है, जो कि सेमी कंडक्टर इंडस्ट्री के लिए बेस मैटेरियल है। इस समय सेमी कंडक्टर्स का मोटे तौर पर आयात किया जाता है और राजस्थान को इस आयात का विकल्प उत्पादक स्टेट बना कर खरबों रुपए की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है व विश्व-भर को निर्यात कर खरबों की विदेशी मुद्रा कमाई जा सकती है। साथ ही प्रदेश के औद्योगिक विकास को भी गत मिलेगी।

सेमीकंडक्टर उत्पादन के लिए प्रदेश में बने एक विशेष जोन

आरतिया के चेयरमैन कमल कंदोई और कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम बियाणी ने कहा कि राइजिंग राजस्थान से हम राजस्थान का ट्रांसफोर्मेशन शुरू कर सकते हैं। सेमीकंडक्टर उत्पादन के लिए राजस्थान सरकार एक विशेष जोन बनाये, जो कच्चे माल उत्पादक जिलों अजमेर, ब्यावर और भीलवाड़ा को कवर करता हुआ हो। इस जोन में आवश्यक इंफ्रास्ट्क्चर तैयार हो और यहां सेमीकंडक्टर उत्पादक इकाई स्थापित करने वालों को विशेष प्रौत्साहन भी दिया जाये, ताकि यहां कंपीटीटिव लेवल पर उत्पादन हो सके। राज्य में फेल्सफार क्वार्ट्स का सालाना उत्पादन 3 करोड़ टन से अधिक है, लेकिन यह गुजरात की सेरेमिक इण्डस्ट्री में जा रहा है। अजमेर, ब्यावर और भीलवाड़ा जिले एशिया में सेरेमिक के बड़े हब बन सकते हैं।

स्थानीय स्तर पर कच्चे-माल आधारित उद्योग हो प्रमोट

आरतिया के स्ट्रेटेजिक एडवाईजर अजय गुप्ता और वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा का कहना है कि शहरी इलाकों और नजदीकी औद्योगिक क्षेत्रों में तो जमीनों के दाम बेतहाश बढ़ गये हैं, इस मूल्य पर जमीन खरीद कर उद्योग लगाना व्यवहारिक नहीं है। बेहतर है सरकार प्रदेश की सभी पंचायत समिति क्षेत्रों के ग्रामीण इलाकों में सवाई-चक जमीनों का पूल बनाये और वहां डेयरी व एग्रि क्लस्टर के साथ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कच्चे-माल आधारित उद्योगों को प्रमोट करे। इलाकों में स्थानीय लोग निवेश कर सूक्ष्म व लघु उद्योग इकाइयों की स्थापना करेंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार दे सकेंगें। राजस्थान की 352 से अधिक पंचायत समिति क्षेत्रों में ये क्लस्टर राज्य की ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था में बड़ा बदलाव जा सकते हैं।

उपखंड स्तर पर पहुंचे राइजिंग राजस्थान

आरतिया के सलाहकार ओ पी राजपुरोहित और वरिष्ठ उपाध्यक्ष सज्जनसिंह का कहना है कि राइजिंग राजस्थान की अवधारणा का सरकार विकेंद्रीकरण करे और उपखंड स्तर पर प्रतिस्पर्धा विकसित करे। राइजिंग सब-डिवीजन एरिया की अवधारणा को बल दिया जाये, ताकि संबंधित इलाके में उद्योग व सेवा क्षेत्रों का विकास हो सके। हर उपखंड क्षेत्र में उद्योग-हस्तशिल्प के अलावा पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि क्षेत्रों में निवेश की अकूत संभावना है। इसके लिए हर क्षेत्र में स्थापित व सफल उद्यमियों-कारोबारियों को संबंधित इलाके का ब्रांड एंबेस्डर बनाकर उन्हें प्रवासी राजस्थानियों से निवेश लाने के लिए अवसर दिया जाये। ऐसे लोग समग्र राजस्थान में बड़ा निवेश लाकर गतिशील कर सकते हैं। इसके अलावा हर उपखंड मुख्यालय पर राइजिंग राजस्थान हैल्प-डेस्क स्थापित हो, जहां से उद्यमी-निवेशक की सभी क्लीयरेंस सुनिश्चित की जाये।

Yuva स्टोरीज

बोध शिक्षा समिति ने किया कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन

बेधड़क | जयपुर

बोध शिक्षा समिति की ओर से आमागढ़ सामुदायिक बौधशाला में नए कौशल विकास कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। सीएसआर फाउंडेशन और दिल्ली स्थित गैर लाभकारी संस्थान स्मार्ट के सहयोग से कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। कौशल विकास कार्यक्रम को आयोजित करने का उद्देश्य हाशिए पर पड़े समुदाय को सशक्त बनाना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कंप्यूटर और डिजिटल साक्षरता, सिलाई बुनाई का कार्य, संवादात्मक अंग्रेजी जैसे कौशल विकास के कार्य शामिल है। बता दें कि बोध शिक्षा समिति जयपुर और अलवर जिलों में लगभग 36 सामुदायिक स्कूल संचालित करती है। इसमें 5500 से अधिक बच्चे कौशल विकास के गुण सीख रहे हैं।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान को मिला हिंदी का प्रथम पुरस्कार

बेधड़क | जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे प्रधान कार्यालय जयपुर की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (मानद विश्वविद्यालय) जयपुर को वर्ष 2023-2024 के दौरान सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का सर्वाधिक उपयोग करने के लिए केन्द्र सरकार के कार्यालय के "क" वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर वैजयंती राजभाषा शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक एवं नगर राजभाषा समिति के अध्यक्ष अमिताभ ने कुलपति प्रो. संजीव शर्मा को प्रथम विजेता की शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा, संयुक्त निदेशक जय प्रकाश शर्मा, प्रो. सुरेन्द्र शर्मा, डॉ. राकेश नागर, हिंदी अधिकारी डालचंद कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

पवित्रा बनीं दिल्ली के कमला नेहरू कॉलेज की प्राचार्य

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा और गोल्ड मेडलिस्ट पवित्रा भारद्वाज देश के विख्यात दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले कमला नेहरू कॉलेज (केएनसी) की प्राचार्य बनी है। यह नियुक्ति कॉलेज के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि पिछले सात वर्षों से कॉलेज बिना स्थायी प्राचार्य के था।

नियुक्ति के मौके पर प्रोफेसर भारद्वाज ने संस्थान की प्रतिष्ठा को बढ़ाने और एनआईआरएफ रैंकिंग तथा समग्र शैक्षणिक वातावरण में सुधार के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने, नवाचारी शोध को प्रोत्साहित करने और छात्रों एवं प्राध्यापकों दोनों के लिए एक अच्छा माहौल बनाने पर ध्यान

केंद्रित करने की इच्छा जताई। पवित्रा भारद्वाज ने राजस्थान विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई में गोल्ड मेडल प्राप्त किया और उसके बाद जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली से पीएचडी की उपाधि हासिल की। जेएनयू से प्राप्त उनकी पीएचडी ने उन्हें अकादमिक क्षेत्र में गहन शोध और नवीन विचारों के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया।

एक अक्टूबर से शुरू होगा मेडिकल कॉलेजों में सत्र

प्रदेश में नीट यूजी राउंड 1 सीटों का आवंटन आज

बेधड़क | नई दिल्ली

स्टेट मेडिकल एंड डेंटल काउंसलिंग बोर्ड, राजस्थान ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में एमबीबीएस, बीडीएस कोर्स में प्रवेश के लिए नीट यूजी काउंसलिंग 2024 के लिए काउंसलिंग कार्यक्रम में संशोधन किया है। शेड्यूल के अनुसार, राजस्थान नीट यूजी काउंसलिंग 2024 राउंड 1 सीट आवंटन परिणाम शुक्रवार को जारी किया जाएगा।

आधिकारिक घोषणा के बाद पंजीकृत उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट के माध्यम से राउंड 1 के लिए राजस्थान नीट यूजी काउंसलिंग सीट आवंटन परिणाम देख सकेंगे। इससे पहले, बोर्ड की ओर से राजस्थान नीट यूजी राउंड 1 सीट आवंटन परिणाम गुरुवार को ही घोषित किया जाना था और रिपोर्टिंग प्रक्रिया 30 अगस्त से शुरू होनी थी। नोटिस में कहा गया कि, "जिन अभ्यर्थियों ने प्रथम चरण की काउंसलिंग के लिए आवेदन किया था, वे 29 अगस्त तक विकल्पों के स्वतः लॉक होने के बाद अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रिंटआउट ले सकते हैं। आवेदकों को विस्तारित समय-सीमा में 28 अगस्त को दोपहर 3 बजे तक सुरक्षा राशि जमा करने तथा रात 11:45 बजे तक विकल्प भरने की अनुमति दी गई थी।"

काउंसलिंग बोर्ड द्वारा अन्य राउंड की काउंसलिंग तिथियों की घोषणा बाद में की जाएगी। राज्य कोटे की 85 प्रतिशत सीटों को भरने के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया राउंड 1, राउंड 2, मॉप-अप राउंड और स्ट्रे वैकेंसी राउंड में आयोजित की जाएगी। सीटें खाली रहने की स्थिति में बोर्ड द्वारा एडमिशन राउंड की घोषणा की जा सकती है।

ये हैं संशोधित शेड्यूल

कार्यक्रम	तिथि
सुरक्षा शुल्क का भुगतान	28 अगस्त, दोपहर 3 बजे तक
विकल्प भरना	28 अगस्त, रात 11:45 बजे तक
विकल्पों के स्वतः लॉक होने के बाद आवेदन पत्र का प्रिंटआउट शिक्षण शुल्क जमा करना	29 अगस्त 2024
राउंड 1 सीट आवंटन परिणाम	30 अगस्त 2024
ऑनलाइन आवंटन पत्र का प्रिंटआउट लेने की तिथि	31 अगस्त 2024 से 5 सितंबर 2024 तक
आवंटित अभ्यर्थियों द्वारा निर्धारित एक वर्ष का	31 अगस्त 2024 से 5 सितंबर 2024 तक
आवंटित कॉलेज डेस्क पर रिपोर्टिंग, दस्तावेज जमा करना	31 अगस्त 2024 से 5 सितंबर 2024 (सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक)
शैक्षणिक सत्र की शुरुआत	1 अक्टूबर 2024

13 हजार से ज्यादा सीटों पर दिया जाएगा एडमिशन

राजस्थान में 8,798 मेडिकल सीटों और 5,075 डेंटल सीटों पर योग्य उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा। राजस्थान में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 35 और डेंटल कॉलेजों की संख्या 16 है। जिनमें से 26 सरकारी और 9 निजी मेडिकल कॉलेज हैं, जबकि 1 सरकारी डेंटल कॉलेज और 15 निजी डेंटल कॉलेज हैं। अधिक जानकारी के लिए कैंडिडेट संस्थान की वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

एसएमएस प्राप्त नहीं होने पर दर्ज हो सकेगी आपत्ति

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के अन्तर्गत 21 अगस्त को जारी की गई अपात्र अभ्यर्थियों की सूची में सम्मिलित ऐसे अभ्यर्थी जिन्हें काउंसलिंग में उपस्थित होने के संबंध में एक भी एसएमएस प्राप्त नहीं हुआ है, आपत्ति दर्ज कराने का अवसर दिया गया है। इसके लिए संबंधित अभ्यर्थियों को 3 सितंबर तक (राजकीय अवकाश को छोड़कर) आयोग कार्यालय में व्यक्तिशः उपस्थित होकर मय दस्तावेज आपत्ति दर्ज करानी होगी। अभ्यर्थी को काउंसलिंग के लिए प्रेषित एसएमएस प्राप्त होने अथवा नहीं होने की जांच आयोग स्तर पर कर निर्णय लिया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत सूचना एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि आयोग द्वारा इस परीक्षा के तहत आयोजित 6 विषयों की काउंसलिंग में पर्याप्त अवसर दिए जाने के बाद भी अनुपस्थित रहे 2137 अभ्यर्थियों को परीक्षा की प्रक्रिया से अपात्र कर दिया गया है।

2 सितंबर से भरे जाएंगे आवेदन

सीईटी 12 वीं लेवल का नोटिफिकेशन हुआ जारी

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड समान पात्रता परीक्षा (12 वीं लेवल) का नोटिफिकेशन जारी हो गया है। अभ्यर्थी पात्रता परीक्षा के लिए 2 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच आवेदन कर सकेंगे। बोर्ड द्वारा ये परीक्षा 23 से 26 अक्टूबर 2024 तक आयोजित की जाएगी। खास बात ये है कि इस परीक्षा में अभ्यर्थियों के गलत जवाब पर कोई अंक नहीं कटेगा। वहीं, 40% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी ही मुख्य भर्ती परीक्षा के लिए पात्र होंगे।

बता दें कि युवा बेरोजगार लगातार इस परीक्षा की तिथि जारी करने की मांग कर रहे थे जिसके बाद राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने परीक्षा की तिथि को लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके साथ ही कर्मचारी चयन बोर्ड ने परीक्षा के आयोजन को लेकर भी लगभग तैयारियां पूरी कर ली है। कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष मेजर जनरल आलोक राज ने बताया कि समान पात्रता परीक्षा (सीनियर सेकेंडरी लेवल) 12 पदों के लिए आयोजित होगी।

इन 12 पदों को लेकर परीक्षा

कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित होने यह परीक्षा वनपाल, छात्रावास अधीक्षक, लिपिक ग्रेड-II, कनिष्ठ सहायक, लिपिक ग्रेड-II, जमादार ग्रेड-II, कांस्टेबल, कनिष्ठ सहायक, कनिष्ठ सहायक, कनिष्ठ सहायक, लिपिक ग्रेड-I। और कनिष्ठ सहायक पदों पर आयोजित होगी। हालांकि इस परीक्षा में उपस्थित होना या अंक हासिल करने का मतलब नौकरी की गारंटी बिल्कुल नहीं होगा। ये सिर्फ पात्रता परीक्षा होगी जो संबंधित मुख्य परीक्षा के लिए पात्रता निर्धारित करेगी। इसमें अभ्यर्थियों का चयन रिक्त पदों के अनुसार वरीयता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस भर्ती परीक्षा में भी कम से कम 40% अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी ही मुख्य परीक्षा में शामिल हो सकेंग। हालांकि, परीक्षा के दौरान गलत जवाब पर अभ्यर्थियों के नेगेटिव मार्किंग नहीं रहेगी।

बोर्ड कर्मचारी संघ ने किया स्पीकर देवनानी का स्वागत

बेधड़क | अजमेर

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के प्रभाव से राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को बड़ी राहत मिली है।

राज्य सरकार ने टेबलेट वितरण राशि मामले में बोर्ड को यह राहत दी है। टेबलेट वितरण योजना में राज्य सरकार द्वारा बोर्ड पर डाले गए अतिरिक्त व्यय भार को कम करवाने पर गुरूवार को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड संयुक्त कर्मचारी संघ द्वारा विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का स्वागत किया गया।

मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के महामंत्री करण सिंह यादव ने बताया कि देवनानी को साफा पहनाकर व अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा माला पहनाकर ढोल ढमाकों से भव्य स्वागत किया गया।

कार्यक्रम क्रीड़ा भारती की ओर से चैतन्य भारत दौड़ का हुआ आयोजन

खेल दिवस पर सात समूहों में दौड़े 1500 धावक

बेधड़क | जयपुर

भारत के महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती व राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर संपूर्ण भारत में जिला मुख्यालयों पर आयोजित हुई। दौड़ में जोधपुर, जालौर, कोटा, उदयपुर, चित्तौड़, भीलवाड़ा, दौसा, बस्सी आदि जिलों में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इसी कड़ी में जयपुर में भी चैतन्य भारत दौड़ का आयोजन किया गया । कार्यक्रम स्थल प्रियंका हॉस्पिटल से प्रारंभ होकर दौड़ अरावली मार्ग, शिप्रा पथ, वीटी रोड, मध्यम मार्ग, पटेल मार्ग व पटेल मार्ग से शिप्रा पथ, अरावली मार्ग होते हुए पुनः प्रियंका हॉस्पिटल पहुंची। दौड़ के लिए उपस्थिति लगभग 1500 धावकों की दौड़ 7 समूहों में आयोजित हुई । 11 से 14 वर्ष आयु के बालक व बालिकाओं के लिए 2 किमी, 14 से 17 वर्ष आयु के बालक व बालिकाओं के लिए 5 किमी, 17 वर्ष से ऊपर की आयु के महिला व पुरुषों के लिए 5 किमी दौड़ की प्रतियोगिता रखी गई।

विजेताओं को मिले नकद पुरस्कार

प्रत्येक समूह में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को रु 5100, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को रु 2100 तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को ₹1100 नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। क्रीड़ा भारती जयपुर प्रांत के प्रांतमंत्री कैलाश चंद शर्मा द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना रखे जाने के बाद उपस्थित सभी प्रतिभागियों को क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रसाद महानकर, क्षेत्रीय संयोजक मेघ सिंह चौहान, प्रांत अध्यक्ष डॉ. जी एल शर्मा ने संबोधित किया।

क्रीड़ा भारती समाज को मोड़ेगा खेलों की ओर

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल सैनी ने उपस्थित सभी धावकों, खिलाड़ियों, खेल-प्रेमियों एवं दर्शकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संगठन द्वारा खेलों के प्रति सकारात्मक जागरूकता लाने के लिए किए जा रहे इस प्रकार के अतुलनीय प्रयासों की प्रशंसा की तथा अपेक्षा पूर्वक विश्वास व्यक्त किया कि संगठन लगातार ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को खेलों की ओर ले जाने में अवश्य ही सफलता प्राप्त करेगा। प्रांत कार्यकारिणी व महानगर के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे। दौड़ प्रमुख सतपाल सिंह के नेतृत्व में क्रीड़ा भारती के कार्यकर्ताओं ने अभूतपूर्व व्यवस्था संभालकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

दिल का हाल सुने दिलवाला..

ज़ाहिद ख़ान
पुस्तक संपादक

भारतीय सिनेमा के सौ साल से ज्यादा के इतिहास में एक से बढ़कर एक गीतकार हुए हैं, लेकिन उनमें शैलेन्द्र की बात ही कुछ और है। आम आदमी के जज्बात को अपने गीतों में अक्कासी करने का हुनर, उनमें औरों से कहीं ज्यादा था। उनके गीत आज भी होठों पर सहजता से चले आते हैं। शैलेन्द्र, कवि हृदय थे और नौजवानी से ही कविता के जानिब उनकी बेहद दिलचस्पी थी। यह दिलचस्पी बढ़ी, तो कविताएँ लिखने लगे। कविताएँ, पत्र—पत्रिकाओं में छपने लगीं। कवि सम्मेलनों में उनकी उपस्थिति बढ़ गई। लेकिन फ़िल्मी दुनिया में जाएंगे या गीतकार के तौर पर अपना करियर बनाएंगे, यह बात कभी उनके दिल में न थी। तक़दीर ने उन्हें फ़िल्मी गीतकार बना दिया। फ़िल्मकार राजकपूर से शैलेन्द्र की पहली मुलाक़ात कैसे हुई और वे फ़िल्मों में किस तरह से आए?, इसका क़िस्सा मुख्तसर में यूँ है। मुंबई में इप्टा ने एक कवि सम्मेलन आयोजित किया था, उसमें शैलेन्द्र अपना गीत 'जलता है पंजाब साथियो...' पढ़ रहे थे। श्रोताओं में मशहूर निर्माता-निर्देशक राजकपूर भी शामिल थे। उन्होंने जब ये गीत सुना, तो उन्हें ये बेहद पसंद आया। सम्मेलन के बाद राजकपूर, शैलेन्द्र से मिले और उन्हें अपनी फ़िल्म में गाने लिखने की पेशकश की। लेकिन शैलेंद्र ने इस पेशकश को यह कहकर ठुकरा दिया कि ''मैं पैसे के लिए नहीं लिखता। और कोई ऐसी बात भी नहीं है, जो मुझे आपकी फ़िल्म में गाना लिखने के लिए प्रेरणा दे।''

बहरहाल, यह वाक़िआ गुज़र गया। बात वहीं पर ख़त्म हो गई। पर एक वक्त ऐसा भी आया, जब शैलेन्द्र को आर्थिक मजबूरियों और पारिवारिक ज़रूरतों के चलते पैसे की बेहद ज़रूरत आन पड़ी और वे ख़ुद, राजकपूर के पास पहुंच गए। फ़िल्म में गाने लिखने की उनकी पेशकश को उन्होंने मंज़ूर कर लिया। राजकपूर उस समय 'बरसात' बना रहे थे। फ़िल्म के छह गीत हसरत जयपुरी लिख चुके थे, दो गानों की और ज़रूरत थी। जिन्हें शैलेन्द्र ने लिखा। एक तो फ़िल्म का टाइटल गीत 'बरसात में हम से मिले तुम' और दूसरा 'पतली कमर है, तिरछी नज़र है'। साल 1949 में आई फ़िल्म 'बरसात' के इन दो गीतों ने उन्हें रातों-रात देश भर में मक़बूल बना दिया। कलाकार, निर्देशक राजकपूर और शैलेन्द्र की जोड़ी ने आगे चलकर फ़िल्मी दुनिया में एक नया इतिहास रचा। उनकी जोड़ी ने एक साथ कई सुपर हिट फ़िल्में दीं। मसलन 'आवारा', 'अनाड़ी', 'आह', 'बूट पॉलिश', 'श्री 420', 'जागते रहो', 'अब दिल्ली दूर नहीं', 'जिस देश में गंगा बहती है', 'कल, आज और कल', 'संगम' और 'मेरा नाम जोकर'। आरके फ़िल्मस के अलावा राजकपूर की ज्यादातर फ़िल्मों 'चोरी-चोरी', 'कन्हैया', 'आशिक़', 'तीसरी कसम', 'अराउण्ड द वर्ल्ड', 'सपनों का सौदागर' आदि में भी शैलेन्द्र ने ही उनके लिए गीत लिखे।

> *फ़िल्मों में मसरूफियत की वजह से शैलेन्द्र अदबी काम ज्यादा नहीं कर पाए, लेकिन उनके जो फिल्मी गीत हैं, उन्हें भी कमतर नहीं माना जा सकता। शैलेन्द्र के इन गीतों में भी काव्यात्मक भाषा और आम आदमी से जुड़े उनके सरोकार साफ़ दिखलाई देते हैं। अपने इन फिल्मी गीतों में उन्होंने किसी भी स्तर का समझौता नहीं किया।*

फ़िल्मों में मसरूफ़ियत की वजह से शैलेन्द्र अदबी काम ज्यादा नहीं कर पाए, लेकिन उनके जो फ़िल्मी गीत हैं, उन्हें भी कमतर नहीं माना जा सकता। इन गीतों में भी काव्यात्मक भाषा और आम आदमी से जुड़े उनके सरोकार साफ़ दिखलाई देते हैं। अपने इन फ़िल्मी गीतों में उन्होंने किसी भी स्तर का समझौता नहीं किया। शैलेन्द्र का दिल ग़रीबों के दुःख-दर्द और उनकी परेशानियों में बसता था। उनकी रोज़ी-रोटी के सवाल वह अक्सर अपने फ़िल्मी गीतों में उठाते थे। फ़िल्म उजाला में उनका एक गीत है, ''सूरज ज़रा आ पास आ, आज सपनों की रोटी पकाएंगें हम।'' वहीं फ़िल्म मुसाफ़िर में वे फिर अपने एक गीत में रोटियों की बात करते हुए कहते हैं, 'क्यों न रोटियों का पेड़ हम लगा लें।' दरअसल, शैलेन्द्र ने अपनी ज़िंदगी में भूख और ग़रीबी को क़रीब से देखा था। वे जानते थे कि आदमी के लिए उसके पेट का सवाल कितना बड़ा है। रोज़ी-रोटी का सवाल पूरा होने तक, ज़िंदगी के सारे रंग उसके लिए बदरंग हैं। दीगर बातें बेमानी हैं। फ़िल्मों में शैलेन्द्र ने आठ सौ से ज्यादा गीत लिखे, लेकिन इन गीतों में भी भाषा और विचारों की एक उत्कृष्टता है। अपने गीतों से उन्होंने हमेशा अवाम की सोच को परिष्कृत किया। वे जनता की नब्ज़ को पहचानने वाले गीतकार थे। अपने गीतों की लोकप्रियता के बारे में उनका कहना था कि ''इन सोलह बरसों के हर दिन ने मेरे गीतकार को कुछ न कुछ सिखाया है, एक बात तो दृढ़ता से मेरे मन में विश्वास बनकर बैठ गई है कि जनता को मूर्ख या सस्ती रुचि का समझने वाले कलाकार या तो जनता को नहीं समझते या अच्छा और ख़ूबसूरत पैदा करने की क्षमता उनमें नहीं है। हाँ, वह अच्छा मेरी नज़रों में बेकार है, जिसे केवल गिने-चुने लोग ही समझ सकते हैं। इसी विश्वास से रचे हुए मेरे कई गीत बेहद लोकप्रिय हुए।''

फ़िल्मी दुनिया के अपने छोटे से करियर यानी सिर्फ़ सत्रह साल में शैलेन्द्र ने कई फ़िल्मों में सुपर हिट गीत दिए। इनमें किन फ़िल्मों का नाम लें और किनको छोड़ दें। उनकी ज़ुबान का जादू यदि देखना है, तो इन गीतों पर नज़र डालिये, 'आवारा हूं या ग़र्दिश में' (आवारा), 'मेरा जूता है जापानी' (श्री 420), 'सब कुछ सीखा हमने न सीखी होशियारी' (अनाड़ी), 'तू प्यार का सागर है' (सीमा), 'दिल का हाल सुने दिलवाला' (श्री 420), 'मेरा नाम राजू घराना अनाम' (जिस देश में गंगा बहती है), 'सजन रे झूठ मत बोलो..' (तीसरी कसम,1966)। अपने मधुर गीतों के लिए शैलेन्द्र को अनेक अवार्डों से नवाज़ा गया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

वैश्विक खाद्य नीति रिपोर्ट का विश्लेषण

दो अरब लोगों को पौष्टिक आहार की दरकार

लेखक
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

> *भले ही यह हालात हमारे देश में हो कि आयोजनों में किस तरह से लोग बुफे स्टाल पर टूट पड़ते हैं, खाने की प्लेट को एक ही बार में भर लेते हैं और फिर जूठन के रूप में डस्टबिन को समर्पित कर देते हैं। यह तस्वीर खाने की बर्बादी को दर्शा देती है। कमोबेस यह हालात दुनिया के अधिकांश देशों में देखे जा सकते हैं।*

अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान आईएफपीआरआई द्वारा हाल ही में जारी वैश्विक खाद्य नीति रिपोर्ट इस मायने में और अधिक गंभीर हो जाती है कि लाख प्रयासों के बावजूद दुनिया की बहुत बड़ी आबादी को पौष्टिक आहार नहीं मिल पा रहा है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की 2.2 अरब आबादी आज भी पौष्टिक आहार से वंचित है। इसके कारण कुपोषण बढ़ रहा है और लोग बीमारियों का आसान शिकार बन रहे हैं। मजे की बात यह है कि हमारी आदतों के कारण बहुत बड़ी मात्रा में एक और भोजन की बर्बादी हो रही है तो हमारी व्यवस्थाओं के चलते बड़ी मात्रा में या तो खाद्यान्न बेहतर रखरखाव के अभाव में खराब हो जाता है या फिर पोस्ट हार्वेस्टिंग गतिविधियों को विस्तारित व काश्तकारों तक तकनीक की पहुंच नहीं होने के कारण खराब हो जाता है। यानी की एक और हमारी आदतों के कारण तो दूसरी और खाद्यान्नों को सहेज के रखने की सही व्यवस्थाओं के अभाव में बेकार हो जाता है और इसका सीधे सीधे खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

यह कोई पहला अवसर नहीं है जब इस तरह की रिपोर्ट जारी हो रही हो, बल्कि आईएफपीआरआई का यह सालाना कार्यक्रम है और पतिवर्ष इस तरह की रिपोर्ट जारी होती है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि हालात में सुधार हो रहा है पर जिस तरह का सुधार होना चाहिए था वह हो नहीं हो पा रहा है। यह किसी एक देश की समस्या हो ऐसा भी नहीं है, कमोबेस यह हालात दुनिया के अधिकांष देशों में हैं। हां अंतर इतना है कि कम आय वाले देशों में समस्या अधिक गंभीर है। यह तो साफ हो गया है कि कुपोषण के कारण या यों कहे कि पौष्टिक आहार की सहज उपलब्धता नहीं होने के कारण सीधे सीधे स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार यदि लोगों को पौष्टिक आहार मिलने लगे तो पांच में से एक जान तो आसानी से बचाई जा सकती है। पौष्टिक भोजन नहीं मिलने की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 14.8 करोड़ बच्चे अविकसित हो रहे हैं तो 4.8 करोड़ बच्चे कम वजनी हो रहे हैं। केवल पौष्टिक आहार नहीं मिलने के कारण ही 50 लाख लोग डायबिटिज के शिकार हो रहे हैं। अधिक वजन और मोटापा आम होता जा रहा है। कुपोषण के कारण गैर संचारी बीमारियों की गिरफ्त आते जा रहे हैं।

हांलाकि दुनिया के देशों की सरकारें लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए गंभीर है। पर इसके प्रमुख कारणों में से सहज उपलब्धता, पहुंच का अभाव, सामर्थ्य यानी कि गरीबी या पर्याप्त आय नहीं होना है। सबसे अधिक वैश्विक स्तर पर हालातों से निपटने के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। दुनिया के देषों को मांग और आपूर्ति की व्यवस्था को भी देखना होगा। इस सबके साथ ही हमारी बदलती जीवन शैली जिसमें अपौष्टिक खाद्य व पेय पदार्थों का सेवन आम होता जा रहा है उस पर भी रोक लगानी चाहिए और जब तक सरकारों के प्रयास सफल नहीं होते तब तक हमें भी हमारी आदतों को सुधारने की पहल करनी ही होगी। इसके सब के साथ ही दुनिया के देशों के सिविक सेंस को भी सकारात्मक बनाना होगा। हालांकि कई देशों में होटलों, रेस्ट्रा, सामूहिक आयोजनों सहित विभिन्न आयोजनों में भोजन की बर्बादी रोकने के लिए सक्रियता दिखाई है। पर यह उंट के मुंह में जीरे से अधिक नहीं है। ऐसे में हमें अन्न के एक एक दाने को बचाने की सोचना होगा। जिस तरह से पार्टियों में खाने की बर्बादी होने लगी हैं यह अपने आपमें गंभीर है। बुफे के खानें में इसको आसानी से देखा जा सकता है। भले ही यह हालात हमारे देश में हो कि आयोजनों में किस तरह से लोग बुफे स्टाल पर टूट पड़ते हैं, खाने की प्लेट को एक ही बार में भर लेते हैं और फिर जूठन के रूप में डस्टबिन को समर्पित कर देते हैं। यह तस्वीर खाने की बर्बादी को दर्शा देती है। कमोबेश यह हालात दुनिया के अधिकांश देशों में देखे जा सकते हैं। अब सोचिये इस तरह से बर्बाद खाना कितने लोगों के पेट को भर सकता है। खाने का यह दुरुपयोग आसानी से रोका जा सकता है। इसके लिए प्रकृति या व्यवस्था को दोष नहीं दिया जा सकता। इसी तरह से खेत खलिहान में व्यवस्थाओं के अभाव में होने वाली कृषि उत्पादों का नुकसान भी कम किया जा सकता है। इस तरह से अन्न और खाद्यान्नों दोनों की बर्बादी को रोका जा सकता है तो दूसरी और यह सब जरुरतमंद लोगों तक पहुंचाने के लिए विश्व खाद्य संगठन व इसी तरह की अन्य संस्थाएं आसानी से कर सकती है। सवाल सीधा सा है कि उपलब्ध खाद्यान्नों से ही समस्या को एक हद तक तो दूर किया ही जा सकता है। इसके साथ ही दुनिया के देषों की सरकारों को अन्य उपायों पर भी ध्यान देना होगा ताकि लोगों को पौष्टिक आहार मिल सके।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

काश ! मुंह फुलाने का वह परम अवसर कभी हमे भी मिले

आशीष सकलेचा
व्यंग्यकार

एक समय था जब फूफाओ की तुती बोलती थी। वो दिन को रात और रात को दिन कह देते थे तो भी मानना ही पड़ता था। उनकी मर्जी के बिना एक पत्ता तक नही हिलता था। लेकिन शनैः शनैः उनका वह जलवा समाप्त होने लगा , क्योंकि अब पहले की तरह न तो उन धर्मशालाओ कार्यक्रम होते न उस तरह का खाना होता है। बात- बात पर फूफाजी का मुंह फुलाने का उनका अपना एक अलग ही मजा रहता था। अब फूफाजी का रुठना भी अब महज एक मुहावरा बन कर रह गया है। न जाने कहा गए फूफाजी के वो दिन-हलवाई को पांच केशर की डिब्बी की बजाय तीन डिब्बी ही देना, अच्छे खासे रायते मे जबरन पानी डलवाना, खोपरा पाक मे जरुरत से ज्यादा शक्कर डलवाना, घर मे भले अपनी मर्जी की सब्जी न बने पर ससुराल मे जबरन अपनी मर्जी की सब्जी थोपना, हलवाई जहा रसोई बना रहा हो वहा दो- चार लोगो को बैठा कर ऊंची - ऊंची फेकना (गप देना) मतलब जहां पानी भी न हो वहा किचड़ बताना आदि-आदि। पर एक बात तो है कुछ भी कहो फूफाजी के बिना कार्यक्रम अधुरा- अधुरा व सुना- सुना सा लगता है। आज कल के फूफाओ को तो फूफा होने की कुछ फिलिंग ही नही आती है, क्योंकि बीबी की तरेरी हुई आंखो से वे भांप जाते है। इसलिए बात को ज्यादा लम्बा नही खींचते हैं और शादी या अन्य जो भी कार्यक्रम हो उसकी मुख्य धारा मे लौट आते है। बड़े नसीब वाले है उस जमाने के फूफाजी जिन्होंने वो परम सुख भोगा।

अब फुफाजी अपना राज हाथ से निकलता देख कुढ़ते जरुर है, पर किसी से कुछ कहते नही। बदलते परिवेश मे ससुराल वाले भी बदल गए है, वे फूफाओ को इतनी तवज्जो नही देते है और नही उनको उतनी गंभीरता से लेते है जितना पहले लेते थे। फूफाओ के हक छीने जाने से उनकी दर्द भरी पीड़ा (दास्तान) से आंखो मे से आंसु निकल आते है। खैर जो भी हो पर फूफा तो फूफा ही होते हैं । उसका सिर्फ एक ही उदाहरण देख लीजिए। लोमड़ी की तरह चतुर व मास्टर माइंड फूफाजी ने ससुराल मे साले साहब के बेटे की शादी के मुख्य प्रतिभोज (आशीर्वाद समारोह) मे फूफाजी ने यह बात फैला दि की "मावा बाटी थोड़ी कम पड़ती दिख रही है" फिर क्या? सब मावा बाटी पर टूट पड़े जिसने कभी मावा बाटी नही खाई वो भी दो - तीन मावा बाटी खा गया। नव नवेले दामाद सहित घर के सब लोग फूफाजी को कोस रहे थे कि अगर वो सभी को यह नही बताते कि मावा बाटी कम पड़ रही है तो शायद इतनी मावा बाटी नही उठती ।

फूफाजी ने कहा- वैसे कम तो "रस मलाई" पड़ रही थी।

कायह सुनकर फिर सब हैरान ! सबका एक ही सवाल जब कम रस मलाई पड़ रही थी तो आपने मावा बाटी कम होने की बात क्यो चलाई? फूफाजी ने कहा की मे ऐसा नही करता तो सबके सामने अपनी नाक कट जाती लोग चारो तरफ बाते करते की फला - फला के यह रस मलाई ही कम पड़ गई। फूफाजी की यह बात सुन कर सभी जोर - जोर से ठहाके लगाने लगे। भले कुछ भी हो जमाने के साथ फूफाजी के जलवे भले ही खत्म हो गए है, परंतु चतुर लोमड़ी जैसी खोपड़ी फूफाजी को विरासत मे मिली हुई है। वह उनके साथ जीवन पर्यंत तक वरदान के रुप मे रहेगी।

नॉलेज कॉर्नर: देश अधिकांश राजनेता पहनते हैं सफेद कुर्ता-पायजामा

ऐसे बना राजनेताओं का पसंद सफेद कपड़ा

देश में कई राजनीतिक पार्टियां की मौजूदगी हैं। सभी राजनीतिक पार्टियों के नाम, सिंबल और पार्टी का संविधान अलग-अलग होता है। मगर क्या आपने एक बात गौर किया है कि भारत में अधिकांश नेता सफेद कपड़ा ही पहनते हैं। यानि सफेद कुर्ता पायजामा ही पहनते हैं। इतना ही नहीं देश के राजनेता इन्हीं सफेद कपड़ों में ही हर जगह जाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप इसके पीछे की वजह जानते हैं। आज के नॉलेज कॉर्नर में जानते हैं कि राजनेता क्यों सफेद कपड़ा पहनते हैं।

सफेद कपड़े से दिखती है समानता

संसद से लेकर सड़क तक एक पार्टी से दूसरे पार्टी के नेताओं के बीच में आरोप प्रत्यारोप का दौर चलता रहता है। लेकिन क्या आपने भी ध्यान दिया है कि सभी नेताओं के बीच एक समानता अक्सर देखने को मिलता है। आपने देखा होगा कि अक्सर सभी नेता सफेद कुर्ता-पायजामा में ही दिखते हैं। लेकिन बहुत कम लोग इसके पीछे की वजह जानते हैं।

शोक में भी सफेद कपड़ा

आपने देखा होगा कि अक्सर शोक के समय लोग सफेद कुर्ता-पायजामा या सफेद रंग का कपड़ा पहनते हैं। अब सवाल ये भी बनता है कि आखिर राजनेता क्यों अक्सर सफेद कुर्ता-पायजामा में ही दिखते हैं और इसके पीछे की वजह क्या है। इतना ही कुछ अभी के और पुराने राजनेता हमेशा सफेद कुर्ता के साथ सफेद धोती पहनना पसंद करते थे। लेकिन कम ही लोग इसकी वजह जानते हैं।

महात्मा गांधी से मिली थी प्रेरणा

बता दें कि नेताओं की सफेद पोशाक के सवाल का जवाब भारत के स्वतंत्रता संग्राम से मिलता है। जब भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के समय महात्मा गांधी ने स्वदेशी का नारा दिया था, उस समय लोगों ने विदेशी वस्त्रों को इकट्ठा करके आग लगा दी थी। इसके बाद महात्मा गांधी ने भारतीय लोगों को चरखे से बने खादी के वस्त्र को पहनने के लिए प्रेरित किया। दरअसल गांधी जी इसे स्वालंबन के प्रतीक के रूप में देखते थे। उस समय खादी से बने कपड़े ज्यादातर सफेद रंग के होते थे। उसी समय से स्वतंत्रता की लड़ाई में साथ दे रहे सभी नेताओं ने भी इन्हें अपनाना शुरू कर दिया। फिर धीरे-धीरे ये रंग नेताओं का रंग बन गया। उसके बाद से ही राजनीति और समाजसेवा से जुड़े लोग सफेद रंग के कपड़ों में नजर आने लगे। साथ ही ये रंग साादगी का भी प्रतीक होता है।

सफेद रंग है शांति का प्रतीक भी

जीवन में हर रंग का अपना महत्व होता है। हर रंग किसी विशेष गुण से संबंधित होते हैं। ऐसे ही सफेद रंग शांति, शुद्धता और विद्या का प्रतीक माना जाता है। यही वजह है कि किसी अपने की मृत्यु होने पर लोग सफेद रंग के कपड़े पहनते हैं। सफेद रंग को शांति का प्रतीक माना जाता है। लेकिन अपने देश में सफेद रंग और भी कई मौको पर अलग-अलग धर्मों के मुताबिक पहना जाता है।

कंटेंट: बजरंग बुनकर

X

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
अपराध के प्रति 'शून्य सहनशीलता' की नीति के साथ-साथ प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारी सरकार का लक्ष्य है कि राजस्थान न केवल एक सुरक्षित राज्य बने, अपितु समग्र विकास में भी अग्रणी स्थान प्राप्त करे। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु हमारी सरकार पुलिस बल के आधुनिकीकरण, प्रशिक्षण में गुणात्मक सुधार, तथा नवीनतम तकनीकों के समावेश के लिए निरंतर प्रयासरत है।

योगी आदित्यनाथ, सीएम यूपी
@RahulGandhi
विभाजनकारी राजनीति को दरकिनार करते हुए हमें राष्ट्रवाद के आधार पर देश के विकास के लिए, 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने के लिए आगे आना होगा।

असम विधानसभा में विधेयक पारित: मुस्लिम विवाह-तलाक से जुड़ा पुराना कानून निष्प्रभावी

निकाह हो या तलाक... अब सरकार के पास कराना होगा पंजीकरण

- काजियों के पास कराए गए सभी पुराने रजिस्ट्रेशन वैध, पर नए रजिस्ट्रेशन कानून के दायरे में

एजेंसी | गुवाहाटी

असम विधानसभा ने गुरुवार को एक विधेयक पारित कर दिया जिसमें मुस्लिमों के विवाह और तलाक रजिस्ट्रेशन से संबंधित एक कानून को खत्म कर दिया गया है। राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री जोगेन मोहन ने 22 अगस्त को विधानसभा में असम निरसन विधेयक, 2024 पेश किया था जिसमें असम मुस्लिम विवाह और तलाक रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1935 और असम निरसन अध्यादेश 2024 को रद्द करने का प्रावधान है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने विधेयक पर सदन में हुई चर्चा के दौरान कहा कि हमारा उद्देश्य न केवल बाल विवाह को समाप्त करना, बल्कि काजी व्यवस्था से छुटकारा पाना भी है। हम मुसलमानों के विवाह और तलाक के पंजीकरण

सरकारी प्रणाली के तहत लाना चाहते हैं। सरमा ने आज के दिन को ऐतिहासिक बताया और कहा कि उनका अगला लक्ष्य बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाना है। उन्होंने कहा कि काजियों की तरफ से किए गए विवाह के सभी पुराने रजिस्ट्रेशन वैध रहेंगे और केवल नए रजिस्ट्रेशन कानून के दायरे में आएंगे।

ज्ञात रहे कि असम मंत्रिमंडल ने राज्य में बाल विवाह के सामाजिक खतरे को समाप्त करने के लिए 23 फरवरी को अधिनियम को निरस्त करने के फैसले को मंजूरी दी थी। विपक्षी दलों ने फैसले की निंदा करते हुए कहा था कि यह मुसलमानों के खिलाफ भेदभावपूर्ण है जो चुनावी वर्ष में मतदाताओं के ध्रुवीकरण के लिए लाया गया है।

काजियों के अलग निकाय को समर्थन नहीं

सीएम सरमा ने विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि हमारा उद्देश्य केवल बाल विवाह को समाप्त करना नहीं, बल्कि काजी व्यवस्था से छुटकारा पाना भी है। उन्होंने कहा कि सभी विवाहों का पंजीकरण उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार करना होगा, लेकिन राज्य सरकार इस उद्देश्य के लिए काजियों की तरह अलग से किसी निजी इकाई का समर्थन नहीं कर सकती।

अब लक्ष्य बहुविवाह पर प्रतिबंध

सरमा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा, असम विधानसभा ने असम अनिवार्य मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण विधेयक 2024 पारित कर दिया है। इस अधिनियम के तहत विवाह को सरकार के साथ पंजीकृत करना अनिवार्य होगा। अब लड़कियों के लिए 18 वर्ष और लड़कों के लिए 21 वर्ष की विवाह की कानूनी उम्र का उल्लंघन नहीं किया जा सकता है। यह विधेयक राजनीति से ऊपर है। इसका उद्देश्य लड़कियों को सम्मान देना है। हमारा अगला लक्ष्य बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाना है।

सिद्धारमैया के खिलाफ सुनवाई कल तक टली

बेंगलुरु। मेसुरु शहरी विकास प्राधिकरण(एमयूडीए) भूमि आवंटन मामले में राज्यपाल थावरचंद गहलोत के सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर कर्नाटक हाईकोर्ट ने सुनवाई 31 अगस्त तक टाल दी है। कोर्ट ने 19 अगस्त के अंतरिम आदेश को भी बढ़ा दिया। इसमें हाईकोर्ट ने विशेष एमपी एमएलए अदालत को सिद्धारमैया के खिलाफ शिकायतों की सुनवाई को अगली कार्यवाही तक स्थगित करने के लिए कहा था। राज्यपाल के आदेश को सिद्धारमैया ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। हाईकोर्ट ने मामले में गुरुवार को सुनवाई की। इस दौरान सिद्धारमैया के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें पेश कीं। न्यायाधीश एम नागाप्रसन्ना ने कहा कि उन्होंने वकील अभिषेक मनु सिंघवी को सुना। उन्होंने अपना सबमिशन पूरा कर लिया है।

YSR कांग्रेस के दो सांसदों का राज्यसभा से इस्तीफा

नई दिल्ली। युवाजन श्रमिक रायथु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के राज्यसभा के दो सांसदों ने इस्तीफा दे दिया है। जानकारी के मुताबिक, बीडा मस्थान राव यादव और वेंकटारमन राव मोपीदेवी ने सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। बीडा मस्थान राव का कार्यकाल जून 2028 में समाप्त होना था। वह तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) छोड़कर वाईएसआरसीपी में शामिल हुए थे। अब उनके वापस टीडीपीमें जाने की अटकलें हैं। सूत्रों की मानें तो मोपीदेवी का कार्यकाल जून 2026 तक था। वह भी टीडीपी में शामिल हो सकते हैं।

हरियाणा विस चुनाव: भाजपा के कोर ग्रुप व चुनाव समिति की बैठक

प्रत्याशियों के नामों और सामाजिक समीकरणों पर मंत्रणा...सूची तैयार

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अमित शाह सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने आगामी हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा करने के लिए गुरुवार को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर बैठक की। बाद में पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में प्रत्याशियों के नामों पर मंत्रणा की गई। सूत्रों के अनुसार भाजपा पहली सूची में 90 में से 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सकती है। सूची शुक्रवार तक जारी होने की संभावना है। पार्टी ने संभावित चुनावी समीरकणों पर भी मंथन किया। भाजपा की नजर खासकर जाट वोटों को साधने पर भी है।

गौरतलब है कि भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित अन्य सीईसी का हिस्सा हैं। अमित शाह के अलावा हरियाणा में भाजपा के चुनाव प्रभारी व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडोली भी नड्डा के आवास पर कोर ग्रुप की बैठक में शामिल थे। इसमें राज्य से भेजे गए संभावित उम्मीदवारों के नामों की जांच की गई। इससे पहले प्रधान ने अपने आवास पर हरियाणा भाजपा नेताओं के साथ बैठक की।

2-3 सांसद लड़ सकते हैं चुनाव

पार्टी 2 से 3 सांसदों को विधानसभा का चुनाव भी लड़वा सकती है। इस तरह की ख़बरें भी सामने आ रही है कि भाजपा हरियाणा में जाट वोट बैंक को साधने के लिए बड़ा दांव खेल सकती है। पार्टी अपने सहयोगी दल राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) को विधानसभा चुनाव में साथ ला सकती है और आरएलडी को जाटों के प्रभाव वाली सीटें भी दी जा सकती है। इसके अलावा भाजपा गोपाल कांडा की हरियाणा लोकहित पार्टी और विनोद शर्मा की हरियाणा जन चेतना पार्टी को भी टिकट देने पर विचार कर रही है। गोपाल कांडा 5 सीटों पर दावा कर रहे हैं, जबकि विनोद शर्मा 2 सीटों पर दावा ठोक रहे हैं।

भाजपा अपने बूते रहेगी मैदान में

हरियाणा भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अकेले ही अपने बूते पर चुनाव मैदान में उतर रही हैं। वहीं इनेलो ने बसपा के साथ गठबंधन कर लिया है। इनेलो 53, जबकि बसपा 37 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं जननायक जनता पार्टी ने चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व वाली आजाद समाज पार्टी के साथ गठबंधन किया है। जेजेपी 70, जबकि एएसपी 20 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

चुनाव तिथि में बदलाव के आसार नहीं

हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीखों में कोई बदलाव नहीं होगा। चुनाव आयोग के हवाले से सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। अब पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 1 अक्टूबर को मतदान होगा और 4 अक्टूबर को वोटों की गिनती होगी। हालांकि, आयोग की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। इस बीच, राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी पंकज अग्रवाल ने अधिकारियों को पूर्व निर्धारित चुनावी कार्यक्रम के अनुसार ही चुनाव की तैयारियां करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा और इंडियन नेशनल लोकदल ने चुनाव की तारीख बदलने के लिए आयोग को पत्र लिखा था। दोनों पार्टियों ने छुट्टियों का हवाला देते हुए चुनाव आयोग से मतदान की तारीख आगे बढ़ाने का अनुरोध किया था।

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने शनिवार को मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर एक अक्टूबर को होने वाले मतदान की तारीख को आगे बढ़ाने की मांग की थी। उन्होंने चुनाव आयुक्त को मतदान की तिथि के आसपास राज्य सरकारी छुट्टियों का हवाला देते हुए कहा कि इससे मतदान प्रतिशत में 15 से 20 प्रतिशत की कमी होने की संभावना है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर भाजपा पर निशाना साधा था और कहा कि भाजपा की हरियाणा में एक अक्टूबर को चुनाव टालने की कोशिश से स्पष्ट है कि राज्य में उनकी पार्टी का जनाधार खत्म हो गया है और वह चुनाव हार रही है।

आय से अधिक संपत्ति का मामला

शिवकुमार को बड़ी राहत, हाई कोर्ट ने रद्द की सीबीआई जांच

एजेंसी | चेन्नई

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में हाई कोर्ट ने सीबीआई जांच को रद्द करने के मंत्रिमंडल के फैसले को बरकरार रखा है। इस फैसले के बाद से शिवकुमार को बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट ने कहा कि सीबीआई आय से अधिक संपत्ति के मामले में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की जांच को जारी नहीं रख सकती है, क्योंकि राज्य ने पहले ही सीबीआई से अपने अधिकार क्षेत्र में काम करने की अनुमति वापस ले ली थी। हाई कोर्ट ने सीबीआई को सुप्रीम कोर्ट जाने की छूट दी गई है, लेकिन फिलहाल वह शिवकुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच नहीं कर सकती है।

वर्ष 2019 में सरकार ने सीबीआई को शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में जांच की अनुमति दी थी। इसके बाद 2020 में सीबीआई ने भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत शिवकुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया। शिवकुमार ने सीबीआई की इस एफआईआर को अवैध करार देते हुए इसे रद्द करने के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। 2023 में हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच पर अंतरिम रोक लगा दी थी, जिसके बाद शिवकुमार ने राज्य सरकार के आदेश को रद्द करने के लिए एक और याचिका दायर की थी। इस बीच, कांग्रेस की सत्ता में वापसी के बाद सरकार ने सीबीआई जांच की अनुमति को वापस ले लिया, जिसे लेकर विवाद पैदा हो गया।

सीबीआई और भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने राज्य सरकार के इस फैसले को चुनौती दी थी। न्यायाधीश सोमशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस मामले में सुनवाई पूरी कर ली और निर्णय दिया कि सीबीआई और राज्य सरकार के बीच विवाद को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में मामला दर्ज किया जाए। अदालत ने यह भी कहा कि लोकायुक्त के माध्यम से जांच जारी रखी जा सकती है।

झारखंड में सियासी घमासान

चंपई के स्थान पर रामदास बनेंगे मंत्री

एजेंसी | रांची

झारखंड में मचे सियासी घमासान के बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक रामदास सोरेन को हेमंत सोरेन कैबिनट में शामिल किया जाएगा। रामदास सोरेन घाटशिला से विधायक हैं। अधिकारी ने कहा, शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार को राजभवन में होने की संभावना है। बता दें कि पिछले महीने हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले चंपई सोरेन ने बुधवार को पार्टी इस्तीफा दे दिया था।

चंपई सोरेन ने पार्टी छोड़ने के साथ दावा किया था कि पार्टी की वर्तमान कार्यशैली और नीतियों ने उन्हें उस पार्टी को छोड़ने के लिए मजबूर किया, जिसमें उन्होंने कई वर्षों तक सेवा की। उन्होंने विधायक और मंत्री पद से भी इस्तीफा दे दिया था।

शहीद अग्निवीरों को सरकार देगी मुआवजा

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने ने कहा कि सरकार ने फैसला लिया है कि अग्निवीर में शहीद होने वाले झारखंड के जवानों के परिवार को प्रदेश की सरकार मुआवजा देगी। साथ ही उनके परिवार को झारखंड पुलिस के तर्ज पर सम्मानित किया जाएगा। इसके अवाला उन्होंने कहा कि राज्य में गरीबों का बकाया बिजली का बिल भी माफ कर दिया जाएगा। रसोइया और पोषण सखी के बारे में भी संवेदनशील सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए अपनी संवेदनशीलताएं दिखाई हैं।

यूपी सरकार की नई डिजिटल नीति पर कांग्रेस और सपा नेताओं का प्रहार

तुमको हो पसंद, वही बात कहेंगे: प्रियंका

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार की सरकार की नई डिजिटल मीडिया नीति की घोषणा के साथ ही सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस नीति पर तीखा प्रहार किया है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने इस पर तंज कसते हुए कई सवाल खड़े किए। ज्ञात रहे कि डिजिटल मीडिया नीति में श्रेणीवार आठ लाख रुपए महीना तक देने का प्रावधान है। इसी को लेकर प्रियंका ने पूछा कि न्याय मांग रही महिलाओं की आवाज और 69000 शिक्षक भर्ती आरक्षण घोटाले में उठने वाले सवाल किस श्रेणी में आएंगे। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि जो तुमको हो पसंद, वही बात कहेंगे, तुम दिन को अगर रात कहो, रात कहेंगे। उप्र सरकार की सोशल मीडिया नीति में न्याय मांग रही महिलाओं की आवाजें किस श्रेणी में आएंगी? 69000 शिक्षक भर्ती आरक्षण घोटाले में उठने वाले सवाल किस श्रेणी में आएंगे? उन्होंने कहा कि डिजिटल नीति सच को दबाने का एक और तरीका है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी योगी सरकार की डिजिटल मीडिया नीति पर सवाल उठाते हुए हैं। अखिलेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कविता के जरिए सरकार पर हमला बोला। अखिलेश ने यहां तक कहा कि सरकार तरफदारी के लिए अपने चरणों में पड़े रहने वाले नए जमाने के चाटुकार पैदा करना चाहती है।

यह नीति में प्रावधान

योगी सरकार ने एक नई डिजिटल मीडिया नीति का मसौदा तैयार किया है। इसमें किसी भी आपत्तिजनक सामग्री को ऑनलाइन डालने पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान भी किया गया है। राज्य सरकार फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे विभिन्न सोशल मीडिया मंच पर इनके अकाउंट धारकों और प्रभावशाली व्यक्तियों को उनके फॉलोअर्स और सब्सक्राइबर्स के आधार पर प्रति माह आठ लाख रुपये तक का भुगतान करेगी।

किसान आंदोलन को लेकर बयान पर फिर चेताया

कंगना की नड्डा से मुलाकात, सामने चुनाव... पार्टी नहीं लेना चाहती जोखिम

एजेंसी | नई दिल्ली

किसान आंदोलन को लेकर विवादित टिप्पणी करने पर घिरी भाजपा सांसद कंगना रनौत ने गुरुवार को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की है। मुलाकात के लिए वह उनके आवास पर पहुंचीं। कंगना को हाल ही में शीर्ष नेतृत्व की ओर से नसीहत मिली थी कि उन्हें नीतिगत मामलों में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। इसके अलावा भविष्य में उन्हें ऐसा कोई भी बयान न देने की भी हिदायत दी गई थी। नड्डा ने कंगना रनौत से करीब आधे घंटे तक बात की है। इस बारे में खुलकर कुछ सामने

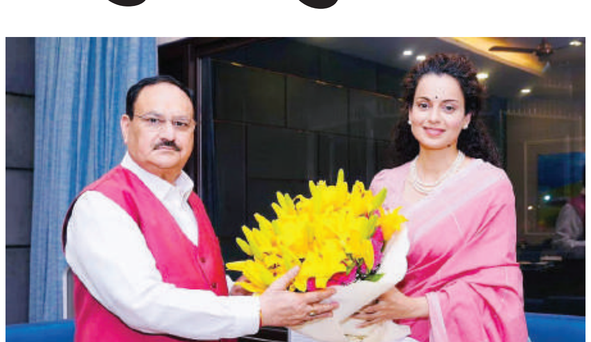

नहीं आया है। सूत्रों ने बताया कि नड्डा ने कंगना को बिना सोचे समझे कुछ भी बोलने से मना किया है। सूत्रों के अनुसार नड्डा के बुलावे को कंगना के लिए एक रिमाइंडर या कहें चेतावनी माना जा रहा है। भाजपा को भी पता है कि हरियाणा में विधानसभा चुनाव हैं। अगर थोड़ी भी चूक हुई तो पार्टी सत्ता भी खो सकती है। किसान आंदोलन भी मुख्यतः हरियाणा-पंजाब केंद्रित ही था, ऐसे में पार्टी कोई भी जोखिम नहीं लेना चाहती।

अहम बात यह है कि अपनी टिप्पणी को लेकर विवाद होने के बाद यह यह दूसरा मौका है, जब कंगना ने नड्डा से मुलाकात की। उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में निरस्त किए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन पर कथित अपमानजनक टिप्पणी के साथ विवाद खड़ा कर दिया था। कंगना ने एक साक्षात्कार में कहा था कि पंजाब में किसान आंदोलन के नाम पर उपद्रवी हिंसा फैला रहे थे और वहां बलात्कार तथा हत्याएं हो रही थीं। इस साक्षात्कार की एक क्लिप को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी उन्होंने साझा किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि अगर देश का नेतृत्व मजबूत नहीं होता तो भारत में भी 'बांग्लादेश जैसी स्थिति' पैदा हो सकती थी।

सिमरनजीत सिंह मान के बिगड़े बोल, कंगना ने किया पलटवार

दूसरी ओर शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सिमरनजीत सिंह मान ने गुरुवार को कंगना रनौत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मैं कहना तो नहीं चाहता लेकिन, कंगना रनौत को रेप का तजुर्बा होगा। उन्हें समझाना चाहिए कि रेप कैसे होता है? इस बयान का पलटवार करते हुए कंगना ने कहा कि ऐसा लगता है कि यह देश कभी भी बलात्कार को तुच्छ समझना बंद नहीं करेगा। किसी महिला का मजाक उड़ाओ, भले ही वह एक हाई प्रोफाइल फिल्म निर्माता हो या राजनेता। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, आज इस वरिष्ठ राजनेता ने बलात्कार की तुलना साइकिल चलाने से की है, इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि बलात्कार और मनोरंजन के लिए महिलाओं के खिलाफ हिंसा, इस पितृसत्तात्मक राष्ट्र के मानस में इतनी गहरी जड़ें जमा चुकी है कि इसका इस्तेमाल चिढ़ाने के लिए किया जाता है।

हरियाणा महिला आयोग ने सिमरनजीत सिंह मान को भेजा समन

इस बीच, हरियाणा राज्य महिला आयोग ने कंगना रनौत के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने पर नाराजगी जाहिर की है और पूर्व सांसद सिमरनजीत सिंह मान को समन भेजा है। आयोग ने मान से पांच दिनों के अंदर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और स्पष्टीकरण देने को कहा है।

जरूरी खबर

पाक ने भेजा पीएम मोदी को न्योता जवाब का इंतजार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अक्टूबर में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के लिए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया है। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि 15-16 अक्टूबर को होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए देशों के प्रमुखों को निमंत्रण भेजा गया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी निमंत्रण भेजा गया है। भारत ने इस संबंध में अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। बलूच ने कहा कि कुछ देशों ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्षों की बैठक में भाग लेने की पुष्टि पहले ही कर दी है। उन्होंने कहा, समय आने पर यह बताया जाएगा कि किस देश ने इसकी पुष्टि की है।

UPSC आधार कार्ड से करेगा अभ्यर्थियों की पहचान

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग अब आधार कार्ड से अभ्यर्थियों की पहचान करेगा। यह व्यवस्था यूपीएससी की अलग-अलग परीक्षाओं में लागू होगी। शुरु में यह व्यवस्था स्वैच्छिक होगी। बुधवार को कार्मिक विभाग ने एक अधिसूचना जारी की। इसमें कहा गया है कि यूपीएससी को आधार अधिनियम, उसके नियमों और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के सभी निर्देशों का पालन करना होगा। कार्मिक विभाग ने यूपीएससी को 'वन टाइम रजिस्ट्रेशन' पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के समय और परीक्षा या भर्ती परीक्षण के कई चरणों में उम्मीदवारों की पहचान वेरिफाई करने के लिए स्वेच्छा से आधार प्रमाणीकरण करने के लिए अधिकृत किया है।

हरियाणा में 834.03 करोड़ की संपत्ति जब्त

चंडीगढ़। हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने अनंतिम रूप से 401.65479 एकड़ में फैली अचल संपत्तियों को जब्त किया है। इसकी कीमत 834.03 करोड़ रुपए बताई जा रही है। अटैच की गई संपत्ति ईएमएएआर इंडिया लिमिटेड (501.13 करोड़ रुपए) और एमडीएफ डेवलपमेंट्स लिमिटेड (332.69 करोड़) से संबंधित हैं। कुर्क की गई संपत्तियां जमीन के रूप में हैं, जो गुरुग्राम और दिल्ली के 20 गांवों में स्थित है।

विदेशी विश्वविद्यालयों की स्थापना पर मंत्रणा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ.एस जयशंकर गुरुवार को नई शिक्षा नीति 2020 के तहत विदेशी विश्वविद्यालयों की स्थापना व शिक्षा के अंतराष्ट्रीयकरण पर नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर शिक्षा जगत से जुड़े अन्य लोग भी मौजूद थे। ब्रिटेन के साउथम्प्टन विश्वविद्यालय (यूओएस) को भारत में अपना कैम्पस स्थापित करने का अनुमति पत्र जारी किया गया।

मैंने डॉक्टरों के खिलाफ कुछ नहीं कहा: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि उनके बुधवार के भाषण को लेकर उनके खिलाफ उन्हें बदनाम करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई घटना के खिलाफ मेडिकल छात्रों या उनके आंदोलन के खिलाफ एक भी शब्द नहीं कहा है। इससे पहले ममता बनर्जी ने एक कार्यक्रम में आक्रामक भाषण देते हुए कहा था कि अगर बंगाल जला तो उसकी आग यूपी, बिहार और दिल्ली तक भी पहुंचेगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबी पोस्ट में अपने ऊपर लगे हिंसा फैलाने के आरोप को सरासर गलत बताया है। उन्होंने लिखा, मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मैंने छात्रों या उनके आंदोलन के खिलाफ एक भी शब्द नहीं कहा है।

तेलंगाना सीएम की टिप्पणी पर जताई गंभीर आपत्ति

राजनेताओं के परामर्श के बाद नहीं देते आदेश : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता को जमानत मिलने पर रेवंत रेड्डी ने भाजपा और बीआरएस के बीच कथित सौदे की ओर इशारा किया था। उनकी इस टिप्पणी पर नाराजगी जताते हुए शीर्ष अदालत ने गुरुवार को कहा कि ऐसे बयान से लोगों के मन में संदेह पैदा हो सकते हैं। रेवंत रेड्डी की इसी टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट 2015 के कैश-फॉर-वोट मामले में सुनवाई कर रहा था। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसे राजनेताओं या किसी के द्वारा अदालत के आदेशों की आलोचना करने से कोई फर्क नहीं पड़ता। पीठ ने जोर देकर कहा, हम अपने कर्तव्य का पालन विवेक और अपनी शपथ के अनुसार करते हैं। पीठ ने कहा, उन्हें राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में अदालत को क्यों घसीटना चाहिए? क्या हम राजनीतिक दलों के साथ परामर्श करने के बाद आदेश पारित करते हैं। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने रेवंत रेड्डी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी से पूछा, क्या आपने अखबार में पढ़ा कि उन्होंने क्या कहा? बस यह पढ़िए कि उन्होंने क्या कहा है। एक जिम्मेदार मुख्यमंत्री का यह कैसा बयान है? इससे लोगों के मन में संदेह पैदा हो सकते हैं। पीठ में जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन भी शामिल थे. पीठ ने कहा कि क्या एक मुख्यमंत्री को ऐसी टिप्पणी करनी चाहिए? संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति कैसे ऐसी टिप्पणी कर सकता है। जस्टिस गवई ने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी का बयान अदालत पर संदेह पैदा कर रहा है।

यह भी बोली शीर्ष अदालत

- राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में अदालत को क्यों घसीटना चाहिए
- संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति कैसे ऐसी टिप्पणी कर सकता है।
- सीएम रेड्डी का बयान अदालत पर संदेह पैदा कर रहा है।

यह कहा था सीएम रेवंत रेड्डी ने

सीएम रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा था कि बीआरएस एमएलसी कविता को पांच महीने में जमानत मिलने पर संदेह है, क्योंकि आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को 15 महीने बाद जमानत मिली और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अब तक जमानत नहीं मिली है। उन्होंने आरोप लगाया था कि बीआरएस ने लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए काम किया था। उन्होंने कहा था, ऐसी भी चर्चा है कि कविता को बीआरएस और भाजपा के बीच डील के कारण जमानत मिली।

NIA के 7 राज्यों में 16 स्थानों पर छापे

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले गिरोहों पर कसा शिकंजा

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने पाकिस्तानी जासूसी गिरोह और नौसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को भेजने वाले नेटवर्क पर एनआईए का शिकंजा कसा है। एनआईए ने मामले की जांच के लिए सात राज्यों में 16 स्थानों पर छापेमारी की है। गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में संघीय जांच एजेंसी ने कहा कि यह मामला सीमा पार से रची गई भारत विरोधी साजिश के तहत भारतीय नौसेना से संबंधित संवेदनशील महत्वपूर्ण जानकारी लीक करने से जुड़ा है। एनआईए की टीम ने बुधवार को जिन परिसरों में छापे मारे वे उन संदिग्ध लोगों से जुड़े थे, जिन्हें भारत में जासूसी गतिविधियां चलाने के लिए कथित तौर पर पाक से धन प्राप्त हुआ था।

कई राज्यों में फैला है जासूसी गिरोह

एनआईए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जासूसी का यह रैकेट गुजरात, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश, हरियाणा से लेकर बिहार तक फैला था। सबसे पहले इस रैकेट का पता 2021 में आंध्रप्रदेश के काउंटर इंटेलीजेंस सेल ने किया और नौसेना के संवेदनशील दस्तावेज पाकिस्तान को बेचने के आरोप में केस दर्ज किया तथा आकाश सोलंकी नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया। जांच के दौरान इस रैकेट के तार कई राज्यों में फैले होने के संकेत मिले। 19 जुलाई 2023 को दो आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था, जिसमें एक फरार पाकिस्तानी नागरिक मीर बलज खान भी शामिल था।

21 वर्षीय कैवल्य वोहरा सबसे कम उम्र के अरबपति

अडाणी फिर बने देश के सबसे अमीर, मुकेश अंबानी दूसरे स्थान पर

एजेंसी | नई दिल्ली

हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में भारत के अरबपतियों की नई सूची जारी की गई है। पहली बार इस सूची में भारत के 300 से ज्यादा अरबपतियों को शामिल किया गया है। वहीं इस बार सूची में 102 एनआरआई भी हैं

अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी एक बार फिर देश के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पछाड़ा है। गौतम अडाणी 11.6 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ शीर्ष पर रहे हैं और बीते एक वर्ष में उनकी संपत्ति में 95 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही है। इस वर्ष 10.14 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ मुकेश अंबानी दूसरे स्थान पर रहे हैं। 2023 में अंबानी 8.08 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ गौतम अडाणी से आगे थे।

एचसीएल टेक्नोलाजी के संस्थापक शिव नादर और उनका परिवार 3.14 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर रहा है। पिछले साल वे इस सूची में चौथे स्थान पर थे।

सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया का साइरस पूनावाला एक स्थान खिसककर चौथे स्थान पर रहे हैं और उनकी कुल संपत्ति 2.89 लाख करोड़ रुपए बताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 2.50 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ सन फार्मास्यूटिकल्स के दिलीप सांघवी पांचवें स्थान पर रहे हैं। पिछले वर्ष सांघवी इस सूची में छठे स्थान पर थे।

जेप्टो के सह-संस्थापक सबसे कम उम्र के अमीर इस सूची में डिलिवरी प्लेटफार्म जेप्टो के सह-संस्थापक कैवल्या वोहरा और आदित पालीचा सबसे कम उम्र के अमीरों में शामिल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 21 वर्षीय कैवल्य की कुल संपत्ति तकरीबन 3,600 करोड़ रुपए है। आदित की संपत्ति 4,300 करोड़ रुपए बताई गई है। बेंगलुरु में जन्मे कैवल्य वोहरा पहली बार वर्ष 2022 में 19 साल की उम्र में हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में शामिल हुए थे।

देश को हर 5 दिन में मिला एक अरबपति

इनमें पारिवारिक कारोबार करने वाले, स्टार्टअप संस्थापक, प्राइवेट इक्विटी निवेश, एंजल निवेशक, अगली पीढ़ी के कारोबारी, फिल्म अभिनेता आदि शामिल हैं। पिछले वर्ष देश को हर पांच दिन में एक नया अरबपति मिला है। इस दौरान 1,334 अरबपतियों की संपत्ति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

ड्रॉपआउट हैं कैवल्य वोहरा

कैवल्य वोहरा स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से ड्रॉपआउट हैं। उन्होंने 18 साल की उम्र में प्रतिष्ठित कंप्यूटर साइंस प्रोग्राम छोड़ दिया था और अपने दोस्त आदित पालिचा के साथ जेप्टो- Zepto की शुरुआत की। दोनों ने जेप्टो को किरानाकार्ट के रूप में लॉन्च किया। किरानाकार्ट एक ऑनलाइन किराना डिलीवरी प्लेटफॉर्म है, जो 45 मिनट के भीतर किराने का सामान देने का वादा करता है। उन्होंने किरानाकार्ट को Zepto में विस्तारित किया। Zepto अब बेंगलुरु, लखनऊ, दिल्ली और चेन्नई जैसे शहरों में काम करती है। कंपनी ने अगस्त 2023 में $1.4 बिलियन में यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल किया है।

मुठभेड़ में तीन महिला नक्सली मारी गईं

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर और कांकेर सीमा पर अबूझमाड़ क्षेत्र में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में तीन महिला नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि दोनों ओर से रुक-रुक कर फायरिंग जारी है। जानकारी के अनुसार जवानों का एक दल गुरुवार सुबह तलाशी अभियान पर निकला था। इसी दौरान घात लगाए नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने नक्सलियों का मुंह तोड़ जवाब दिया। मुठभेड़ की शुरुआत सुबह से हुई और रुक-रुक कर फायरिंग जारी है।

बढ़ी देश की ताकत: एटमी हमले की क्षमता हुई और मजबूत

INS अरिघात नौसेना में शामिल, ताकतवर परमाणु मिसाइलों से है लैस

एजेंसी | विशाखापतनम

भारत की नौसेना की ताकत को बढ़ाने के लिए अरिहंत श्रेणी की दूसरी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिघात को गुरुवार को विशाखापतनम में नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। इस पनडुब्बी के शामिल होने से नौसेना की मारक क्षमता कई गुना बढ गई है। आईएनएस अरिघात, घातक के-15 मिसाइलों से लैस हैं जो 750 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम हैं। इसमें चार के-4 मिसाइलें भी हैं, जिनकी रेंज 3500 किलोमीटर है।

अरिहंत श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी अरिघात अरिहंत का उन्नत स्वरूप है और यह अत्याधुनिक हथियार प्रणाली तथा उपकरणों से लैस है। इसे कठिन और निरंतर परीक्षणों की सफलता के बाद नौसेना को सौंपा गया है। इसकी विशेषता यह है कि यह दुश्मन को चकमा देकर उसकी पकड़ में आए बिना हमला करने में सक्षम है।

आईएनएस अरिघात को नौसेना में शामिल करने के मौके पर आयोजित समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी तथा सुरक्षा क्षेत्र से जुड़े अधिकारी भी मौजूद थे। राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में विश्वास जताया कि अरिघात देश की परमाणु तिकड़ी यानी परमाणु ट्रायडंट को और मजबूत करेगी। यह परमाणु प्रतिरोध को बढ़ाएगी, क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन और शांति स्थापित करने में मदद मिलेगी और देश की सुरक्षा में निर्णायक भूमिका निभाएगी। उन्होंने इसे राष्ट्र के लिए उपलब्धि और सरकार के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के अटूट संकल्प का प्रमाण बताया।

एक नजर में INS अरिघात

- 112 मीटर लंबी है आईएनएस अरिघात
- 11 मीटर है चौड़ी
- 6000 टन है वजन
- के-15 मिसाइलों है लैस
- 750 किलोमीटर तक है मारक क्षमता
- 1500 फुट से अिधक गहराई तक जा सकती है पानी में
- 83 मेगावाट का लाइट वाटर रिएक्टर लगा है

तीन दिन तक रह सकती है पानी के भीतर

पनडुब्बी डेढ़ हजार फुट से भी अधिक गहराई तक पानी में जा सकती है। देश में तीसरी परमाणु पनडुब्बी अरिदमन भी बनाई जा रही है और कुछ वर्षो में यह भी नौसेना के बेड़े में शामिल हो जाएगी। अरिहंत और अरिघात में 83 मेगावाट के लाइट वाटर रिएक्टर हैं जिनसे इनका संचालन किया जाता है। परमाणु रिएक्टरों के कारण ये पनडुब्बी परंपरागत पनडुब्बियों की तुलना में महीनों तक पानी के भीतर रह सकती हैं। इस पनडुब्बी में 21 इंच की छह टॉरपीडो लगे हैं। इसके अलावा कई टॉरपीडो ट्यूब्स हैं, जो टॉरपीडो, मिसाइल या समुद्री बारूदी सुरंग बिछाने का काम करेंगे।

लगे हैं स्वदेशी सिस्टम व उपकरण

आईएनएस अरिघात के निर्माण में उन्नत डिजाइन और विनिर्माण प्रौद्योगिकी, विस्तृत अनुसंधान और विकास, विशेष सामग्रियों का उपयोग, जटिल इंजीनियरिंग और अत्यधिक कुशल कारीगरी का उपयोग शामिल है। इसे स्वदेशी सिस्टम और उपकरण होने का गौरव प्राप्त है, जिनकी संकल्पना, डिजाइन, निर्माण और एकीकरण भारतीय वैज्ञानिकों, उद्योग और नौसेना कर्मियों द्वारा किया गया है।

रक्षा मंत्री ने नौसेना, DRDO और उद्योग जगत को सराहा

रक्षा मंत्री ने इस क्षमता को हासिल करने में कड़ी मेहनत और तालमेल के लिए भारतीय नौसेना, डीआरडीओ और उद्योग जगत की सराहना की। उन्होंने इस आत्मनिर्भरता को आत्मशक्ति की नींव बताया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से देश के औद्योगिक क्षेत्र, विशेषकर एमएसएमई को भारी बढ़ावा मिला है और रोजगार के अधिक अवसर पैदा हुए हैं।

अर्हं ध्यान योग शिविर: एसएमएस स्टेडियम में पहली बार होगा ऐसा आयोजन

व्रत और शील वाला व्यक्ति ही होता है सम्मान पाने के लायक

बेधड़क | जयपुर

अर्हं ध्यान योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर के सानिध्य में 2 अक्टूबर को एसएमएस स्टेडियम में अर्हं ध्यान योग शिविर का आयोजन किया जाएगा। जयपुर में यह पहला अवसर होगा जब किसी दिगंबर जैन संत के सानिध्य में इस तरह का आयोजन किया जाएगा। शिविर का शुभारंभ सुबह 5:30 बजे से होगा और 7:30 बजे संपन्न किया जाएगा। इस दौरान संपूर्ण राजस्थान के अतिरिक्त दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक, महाराष्ट्र से जैन समुदाय और अन्य समुदाय के 15 हजार से अधिक श्रद्धालुगण अर्हं ध्यान योग करेंगे। दूसरी ओर जयपुर में पहली बार चातुर्मास कर रहे आचार्य विद्या सागर के शिष्य अर्हं ध्यान योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर के सानिध्य में पार्श्वनाथ कथा हुई। मुनिश्री ने कहा कि व्रत और शील से जो युक्त होता है वो ही सम्मान पाने के लायक होते है।

बारह भावनाओं के मर्म को समझाते हुए कहा कि इंसान में जब तक जीव के मोह जागृत रहेंगे, उन्हे सत्य-असत्य नजर आता रहेगा, दुख देने वाले सुख देने वाले लगते है, अहितकारी-हितकारी नजर आने लगते हैं।

8 से दस दिवसीय विधान पूजन

कोषाध्यक्ष लोकेंद्र जैन राजभवन वाले ने बताया कि दशलक्षण पर्व 8 से 17 सितंबर तक होंगे। इसके पश्चात जैन धर्म के प्रमुख सिद्धांत जिओ और जीने दो चरितार्थ करने वाला महत्वपूर्ण पर्व क्षमावाणी 18 सितंबर को अर्हं ध्यान योग प्रणेता प्रणम्य सागर के सानिध्य में मनाया जाएगा। पर्व के दौरान रोजाना सुबह 5 बजे योग साधना, 6 से 7 तक प्रणम्य सागर के प्रवचन, 7 बजे से श्रीजी का कलशाभिषेक, शांतिधारा व दशलक्षण पर्व दस धर्मों पर आधारित विधान पूजन आदि होंगे।

जयपुर मंदिर दर्शन यात्रा 22 सितंबर से

अभिषेक जैन बिट्टू और विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि दशलक्षण पर्व के समापन के बाद मुनि प्रणम्य सागर के सानिध्य में 22 सितंबर से जयपुर के समस्त जैन मंदिरों की दर्शन यात्रा प्रारंभ होगी। यात्रा में समाज के श्रद्धालुगण सम्मिलित होंगे और मंदिरों के दर्शन करेंगे। यात्रा 10 नवंबर तक आयोजित की जाएगी।

सुशीला पाटनी का सम्मान

मंत्री राजेंद्र कुमार सेठी ने बताया कि पार्श्वनाथ कथा का शुभारंभ सुशीला पाटनी द्वारा चित्र अनावरण, दीप प्रवज्जलन, पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेंट से हुआ। इस दौरान महिला जागृति परिषद की अध्यक्ष सुशीला रावंका और मंत्री रश्मि सांगनेरिया सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा मुनि प्रणम्य सागर महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर सुशीला पाटनी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संरक्षक निशा पहाड़िया द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया और पंडित शीतल प्रसाद द्वारा व्रत गुण शीला की उपाधि का प्रशस्ति चिह्न दिया गया।

साइक्लोथॉन का पोस्टर लॉन्च

बेधड़क. जयपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर साइक्लोथॉन के छठे संस्करण की घोषणा की गई। वर्ल्ड हार्ट डे पर 29 सितंबर को संस्कृति युवा संस्था और जयपुर रनर्स क्लब द्वारा इवेंट होगा। साइक्लोथॉन का पोस्टर लॉन्च किया गया। इस अवसर पर प्रमुख आयोजक मुकेश मिश्रा, इवेंट समिति अध्यक्ष सुधीर जैन, जयपुर रनर्स क्लब अध्यक्ष प्रवीण तिजारिया, कार्यकारी अध्यक्ष दीपक शर्मा, मुख्य समन्वयक कमलेश शर्मा, सर्व ब्राह्मण महासभा युवा विंग के अध्यक्ष गब्बर कटारा, वरिष्ठ आरएएस अधिकारी पंकज ओझा सहित कई मौजूद रहे। साइक्लोथॉन में ऑन-ग्राउंड और वर्चुअली भाग ले सकते हैं। साइक्लोथॉन में 2 किलोमीटर की जूनियर राइड, 5 किलोमीटर की जॉय राइड, 10 किलोमीटर की फन राइड, 25 की फिट राइड, 50 की टाइगर जगजीत सिंह मेमोरियल राइड आदि होंगी।

हरियाली का महत्व समझाया

बेधड़क. जयपुर। टीम 10 ट्री एंबुलेंस ने विद्याधर नगर के सेक्टर 8 में मंदिर मोड़ से शास्त्री नगर की तरफ जाने वाली रोड साइड की ग्रीन बेल्ट में पौधा रोपण किया। सुबह 5.30 से 10.30 बजे तक कई ग्रुप्स में टीम मैंबर्स ने पौधे लगाए। इससे पहले 220 पेड़ लगाए गए थे और श्रमदान करते हुए टीम ने हरियाली साफ-सफाई का महत्व समझाया। विभिन्न गलियों से पिकअप से मलवा उठाया गया।

इमरजेंसी को यूए सर्टिफिकेट

जयपुर। कंगना रनौत की बहुप्रतीक्षित बायोग्राफिकल ड्रामा इमरजेंसी 6 सितंबर को रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन कंगना ने किया है, जो भारत की पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की मुख्य भूमिका भी निभा रही हैं। मणिकर्णिका फिल्म्स द्वारा जी स्टूडियोज के सहयोग से निर्मित इमरजेंसी को गुरुवार को सेंसर किया गया। इसकी लंबाई 2 घंटे और 27 मिनट (147 मिनट) की है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से ने इसे यू/ए प्रमाण पत्र दिया है। पिछले दिनों मूवी का ट्रेलर आने के बाद सिख समुदाय को गलत तरीके से दिखाने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन भी किया गया था। फिर इन दिनों किसान आंदोलन को लेकर दिए अपने बयान से कंगना भी काफी चर्चा में है। ऐसे में इस मूवी को अच्छी हाइप मिल सकती है।

City इवेंट्स

BPL की ट्रॉफी का अनावरण

बेधड़क. जयपुर। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और खेलो इंडिया अभियान से युवतियों और महिलाओं को जोड़कर खेल प्रतिभा को मंच देने के लिए महिला क्रिकेट प्रतियोगिता बेटी प्रीमियर लीग के पोस्टर का विमोचन कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने किया। इस मौके पर बॉलीवुड फिल्म डायरेक्टर केसी बोकाडिया, अमित बोकाडिया और रमेश सारड़ा मौजूद रहे। बेटी प्रीमियर लीग संयोजक अमित बोकाडिया और रमेश सारड़ा ने बताया कि आरआर केबल के सहयोग से लीग 14-15 सितंबर को जयपुरिया क्रिकेट ग्राउंड पर होगी। बेटी बचाओ अभियान के लिए 6 टीमें शामिल होंगी। कार्यक्रम के दौरान फिल्म और टीवी जगत की कई हस्तियां भी मौजूद रहकर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करेंगी।

'कल्चरल कारवां' में आएंगे एक्टर्स

बेधड़क, जयपुर। जयपुर में 31 अगस्त से दो दिवसीय उत्सव 'कल्चरल कारवां' का आयोजन होगा। इस मौके पर संवाद में अभिनेता मनु ऋषि चड्ढा, अंजुम शर्मा आदि विचार रखेंगे। पद्मश्री प्रो. अशोक चक्रधर व पद्मश्री सुरेन्द्र शर्मा कविताओं और शायरियों से समां बांधेंगे। विधा लाल की कथक प्रस्तुति के साथ उत्सव का समापन होगा।

'संवाद कंनेक्ट' से होगी बधिरों को सुविधा

बेधड़क, जयपुर। बधिर समुदाय ने सार्वजनिक स्थानों पर समावेशिता और एक्सेसिबिलिटी की मांग की है। अंतरराष्ट्रीय बधिर दिवस पर संवाद क्यूआर स्टिकर जारी किए गए। स्टिकर का सफल परीक्षण देश-विदेश में किया गया है और हाल ही में यह सेवा 112 कॉल सेंटर में लागू की गई है। 'संवाद कंनेक्ट' नामक वीडियो इंट्रप्रेटरिंग कियोस्क स्टैंड की पहल हो रही है। यह कियोस्क उन सभी स्थानों पर उपलब्ध होगा, जहां दिव्यांगजन के लिए व्हील चेयर, रैंप और ब्रेल पट्टी जैसी सुविधाएं प्रदान की जाती है। कियोस्क में लगे एक लाइव इंट्रप्रेटर बधिर व्यक्ति के संकेतों को समझेगा और सामान्य व्यक्ति की बात को अनुवादित करेगा, जिससे दोनों के बीच संचार की बाधा दूर होगी। 'संवाद कंनेक्ट' का उद्देश्य बधिर समुदाय को बेहतर सेवाएं और अधिक समावेशिता प्रदान करना है, ताकि वे भी समाज के हर क्षेत्र में अपनी आवाज प्रभावी कर सकें।

देश विदेश के फिल्मकार हुए रूबरू

बच्चों को भाई आत्मरक्षा और प्रकृति को बचाने वाली फिल्में

बेधड़क | जयपुर

देश-विदेश के फिल्मकारों के साथ बच्चों ने फिल्मों को एंजॉय किया। मौका था 7वें आर्यन इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स फिल्म फेस्ट ऑफ जयपुर और सिक्सटीन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स का, जिसमें गुरुवार को कई रोचक मूवीज दिखाई गईं। वियतनाम से म्यूजिकल फिल्म की स्क्रीनिंग की गई। इस दौरान फिल्म की निर्देशक, निर्माता, अभिनेत्री माई थू हुएन और अमेरिका से निर्माता, अभिनेत्री जैकलीन थाओ गुयेन उपस्थित रहे। ऑस्कर विजेता निर्माता और यूएसए के जॉन मैकक्राइट द्वारा निर्देशित एक डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म पिंक बेल्ट दिखाई गई।

जॉन मैकक्राइट कहते हैं कि इस फेस्टिवल को इसलिए चुना, क्योंकि यह 3 दिनों में हजारों छात्रों तक पहुंचता है। पिंक बेल्ट अपर्णा राजावत की जीवन कहानी और भारत की महिलाओं को सशक्त बनाने के उनके मिशन की कहानी है। वह अपने उद्देश्य पर ध्यान आकर्षित करने के लिए आत्मरक्षा पाठ में प्रशिक्षित सबसे अधिक महिलाओं का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने का प्रयास करती है। पिंक बेल्ट ने श्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फीचर का अवॉर्ड जीता। इस दौरान दर्शक चारु शर्मा ने कहा कि मुझे चिंकी फिल्म बहुत ही अच्छी लगी। क्लास 6 के छात्र रवि ने बताया कि रंग फिल्म खास रही। फिल्म हमें सिखाती है कि हिंदू-मुस्लिम नहीं करना चाहिए।

राजस्थान की 100 पिछवाई कलाकृतियां डिस्प्ले

कृष्ण की लीलाएं, प्रेम और भक्तिरस कैनवास पर उतारा

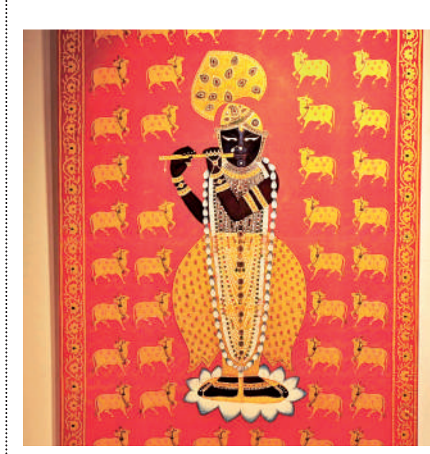

बेधड़क | जयपुर

कृष्ण लीलाएं, प्रेम और भक्तिरस कैनवास पर है। कला के जरिए भक्तों को ये सौगात दी जा रही है तो कला मंच पर ये आकर्षण भी होंगी। इसके लिए खास तैयार की गई है, क्योंकि दर्शनम आर्ट गैलरी की ओर से जवाहर कला केंद्र के अलंकार गैलरी में सोलो कला प्रदर्शनी का आयोजन होगा। इसके लिए कृष्ण लीलाओं पर विशेष कलेक्शन तैयार है, जिसकी पहल झलक देखी गई। अब तीन दिवसीय एग्जीबिशन में ये कला प्रेमियों के साथ-साथ भक्तों के सामने होगी। दर्शनम आर्ट गैलरी से अभिनव बंसल ने बताया कि एग्जीबिशन का स्पेशल प्रीव्यू शुक्रवार को होगा।

इस दौरान गैलरी द्वारा संग्रह की गई लगभग 100 पिछवाई कलाकृतियों को डिस्प्ले किया जाएगा। इसमें गोविन्द देवजी, राधा गोविन्द, श्रीनाथजी, कृष्ण बलराम आदि पेटिंग्स को जयपुर के सभी कला प्रेमियों के लिए प्रदर्शित किया जाएगा। कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर फैशन डिजाइनर और सोशल एक्टिविस्ट डॉ. पूजा राणावत प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगी। इस मौके पर बड़ी संख्या में पेंटिंग लवर्स और विशेषज्ञ शामिल होंगे और कला पर अपनी बात रखेंगे। साथ ही युवाओं को भी इनको तैयार करने वाले इनकी बारीकियां बताएंगे। उनके सवालों के जवाब उदाहरण के साथ दिए जाएंगे।

पौधारोपण | फिक्की फ्लो जयपुर ने चलाया अभियान, 150 पौधे रोपे

आत्मसुरक्षा के व्यावहारिक कौशल के महत्व पर जोर

बेधड़क | जयपुर

फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर की चेयरपर्सन रघुश्री पोद्दार के नेतृत्व में सीतापुरा में पौधारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम 1,111 पेड़ लगाने के चैप्टर के लक्ष्य की दिशा में था। पौधारोपण अभियान में जयपुर कार्यकारी समिति के सदस्यों, फ्लो समुदाय और शिक्षकगण के साथ युवाओं ने भाग लिया। सभी ने 150 पेड़ लगाए। यह अभियान का पहला दिन था। अभियान के दौरान आने वाले दिनों में यह क्रम जारी रखने का संकल्प लिया गया।

हरियाली लाने का संकल्प

पेड़ लगाने के अलावा महिला उपस्थितियों के लिए आत्मरक्षा पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। एक शिक्षक ने आत्मरक्षा की कुछ बुनियादी तकनीकों का प्रदर्शन किया, जिससे फ्लो समुदाय की महिलाओं को सुरक्षा और आत्मसुरक्षा के व्यावहारिक कौशलों के महत्व पर जोर दिया गया। इस मौके पर युवाओं ने विशेषज्ञों से आत्मरक्षा के टिप्स लिए और उनको पौधारोपण अभियान की जानकारी देते हुए हरियाली लाने का संकल्प दिलाया गया।

सुनीता जैन का किया सम्मान

फिक्की फ्लो जयपुर की संस्थापक नीता बूचरा उपस्थित रहीं। उन्होंने फॉरेक्स अध्यक्ष सुनीत जैन का सम्मान किया। रघुश्री पोद्दार ने नेक कार्य के प्रति सभी प्रतिभागियों की समर्पण भावना के लिए धन्यवाद किया और ऐसे अभियानों के महत्त्व को रेखांकित किया जो समुदाय की भावना और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को बढ़ावा देते हैं।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, शुक्रवार, 30 अगस्त, 2024

'सौभाग्य' हमेशा 'परिश्रम' के साथ दिखाई देता है।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

रूस ने अमेरिका को दी एक खतरनाक चेतावनी...

आग से मत खेलो, वर्ना छिड़ जाएगा तीसरा विश्व युद्ध

■ लावरोव बोले- रूस में यूक्रेन ने दागे मिसाइल तो होंगे भयानक परिणाम ■ फिर इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं पूरी दुनिया को

एजेंसी | मॉस्को

यूक्रेन-रूस युद्ध के बीच रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका को दो टूक चेतावनी दी है कि अगर पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को रूस के अंदर हमले करने के लिए लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल करने की इजाजत दी तो मुसीबतों का पहाड़ टूट सकता है और दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की तरफ जा सकती है।

लावरोव ने मॉस्को में संवाददाताओं से कहा कि रूस पर हमला करने के लिए पश्चिमी देशों द्वारा सप्लाई की गई मिसाइलों को अगर इस्तेमाल करने की इजाजत दी गई तो यह आग से खेलने जैसा होगा। उन्होंने कहा कि इसके गंभीर परिणाम पूरी दुनिया को भुगतने पड़ सकते हैं। इसके साथ ही लावरोव ने अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देशों को यूक्रेन के उस अनुरोध को ठुकराने को कहा है, जिसमें यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका और ब्रिटेन से कहा है कि पश्चिमी देशों द्वारा उपलब्ध कराई गई लंबी दूरी की मिसाइलों का रूस पर इस्तेमाल करने की इजाजत दे। यूक्रेन के बार-बार के अनुरोध के बावजूद अमेरिका अपने इस रुख पर अड़ा हुआ है कि लंबी दूरी के हथियारों का इस्तेमाल केवल यूक्रेनी धरती पर ही किया जाय और किसी भी कीमत पर उन हथियारों रूस की भौगोलिक सीमा में नहीं किया जाए।

पेंटागन बोला, नीति में बदलाव नहीं

दूसरी तरफ, पेंटागन के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट्रिक राइडर ने मंगलवार को एक समाचार सम्मेलन के दौरान संवाददाताओं से कहा कि यूक्रेन द्वारा अमेरिकी आपूर्ति की गई मिसाइलों के उपयोग पर वाशिंगटन की नीति में कोई बदलाव नहीं आया है।

...तो बदल सकता है युद्ध का रुख

रूस ने कहा है कि अगर पश्चिमी देशों ने यूक्रेन के अनुरोध को माना तो यूक्रेन-रूस युद्ध का रुख बदल सकता है। इसलिए, लावरोव ने कीव के अनुरोधों पर विचार करने के खिलाफ पश्चिमी देशों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, "हम न केवल स्टॉर्म शैडो, बल्कि लंबी दूरी की मिसाइलों के उपयोग की अमेरिका द्वारा अनुमति देने के बारे में लंबे समय से अटकलें सुन रहे हैं। वाशिंगटन में कुछ अज्ञात सूत्रों ने कहा कि यूक्रेन के अनुरोध को सकारात्मक नजरिए से देखा जा रहा है।"

यह अमेरिका की ब्लैकमेलिंग

लावरोव ने कहा, "यह अमेरिका द्वारा ब्लैकमेलिंग है और पूरी दुनिया के सामने यह दिखावा करने की कोशिश है कि पश्चिमी देश स्थिति को और अधिक बिगड़ने से बचाना चाहते हैं लेकिन वास्तव में, यह एक धोखा है।" उन्होंने कहा कि वास्तविकता यह है कि पश्चिमी देश स्थिति को और खराब होने से बचाना नहीं बल्कि हालात और बिगाड़ने के लिए यूक्रेन को उकसा रहे हैं।

चाचा-चाचियों ने उन्हें थमा दी है माचिस

लावरोव ने यूक्रेन को परमाणु हथियार सौंपे जाने के मुद्दे पर कहा, "हम फिर से पुष्टि कर रहे हैं कि वे सभी आग से खेल रहे हैं, क्योंकि उनके (यूक्रेन) चाचा-चाचियों (पश्चिमी देशों) ने उन्हें छोटे बच्चों की तरह माचिस (परमाणु हथियार) थमा दिए हैं, जिससे आग लग सकती है।" उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी अक्सर तीसरे विश्व युद्ध के बारे में बातचीत करते हैं तो उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि भगवान न करे, अगर ऐसा कुछ होता है, तो यूरोप पर सबसे बुरा असर पड़ेगा।

BLA ने कहा- 'सामना हुआ तो सीधा कत्ल करेंगे'

'चीनी शीघ्र छोड़ें पाकिस्तान'

एजेंसी | क्वेटा

बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान के अंदर पिछले दो दिनों से जो गदर मचाया है, इससे पाकिस्तानी फौज की हालत खराब हो गई है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने अब पाकिस्तान के अंदर रह रहे चीनी नागरिकों को पाकिस्तान छोड़ने का फरमान सुना दिया है।

बीएलए ने धमकी दी है कि अगर उनके इलाके में कोई भी चीनी नागरिक मिला तो कत्ल कर दिया जाएगा। चीनी नागरिकों को निशाना बनाने के लिए बलूच आर्मी ने स्पेशल यूनिट बनाई है। एक दिन पहले ही बलूच आर्मी के फिदायीन दस्ते ने पाकिस्तान में भारी तबाई मचाई और 70 से अधिक लोगों की हत्या कर दी। इसमें पाकिस्तानी फौज और पुलिस के 14 जवान शामिल हैं। दरअसल, पाकिस्तान के अंदर चीन CPEC कॉरिडोर बना रहा है। चीन अपने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के लिए पानी की तरह पैसे बहा रहा है। चीन इस आस में है कि पाकिस्तान में उसका प्रोजेक्ट पूरा जाए, लेकिन जिस तरह से बलूच लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ मोर्चा खोला है, इससे तो साफ है कि चीनी प्रोजेक्ट पर एक बार फिर पानी फिरने वाला है।

सीपीईसी के खिलाफ बीएल का ऑपरेशन

बलूच लड़ाकों से निपटने के लिए जून महीने में ही पाकिस्तान की फौज ने 'अजम ए इस्तेखाम' ऑपरेशन लॉन्च किया था। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि इस ऑपरेशन से वह बलूच आर्मी को नियंत्रित कर लेगा, लेकिन पाकिस्तान की यह चाल उसके ऊपर उलटा पड़ रही है। बलूच लड़ाके अब अधिक भड़क गए हैं और ऑपरेशन शुरू होने के बाद से पाकिस्तानी सेना पर हमले तेज कर दिए हैं। इन हमलों में बलूच लिब्रेशन आर्मी, बलूच लिब्रेशन फ्रंट और तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) मिलकर काम कर रहे हैं।

मजीद ब्रिगेड चीनियों पर करेगी हमला

बलूच लिब्रेशन आर्मी कमांडर की तरफ से दिए गए बयान में पाकिस्तान और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को साफ लहजे में धमकी दी गई है। बयान में यह भी बताया गया है कि चीनी नागरिकों को निशाना बनाने के लिए उसने अलग से ब्रिगेड का गठन किया है, जिसका नाम मजीद ब्रिगेड है। इस यूनिट के लड़ाके सीपीईसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे चीनी नागरिकों को निशाना बनाएंगे।

वहशीपन की हद- 20 देशों में 286 यौन शोषण के मामले

पाक मूल के शख्स को 17 साल की जेल

एजेंसी | मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तानी मूल के शख्स की एक घिनौनी करतूत सामने आई है। यहां की एक अदालत ने इसे सबसे जघन्य ऑनलाइन बाल यौन शोषण मामला बताते हुए पाक मूल के व्यक्ति को 17 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। इस शख्स ने देश-विदेश में सैकड़ों पीड़ितों को निशाना बनाया था।

वह खुद को एक 15 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बताकर लोगों को गुमराह करता था जिसके बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं। 29 साल के मुहम्मद उल अबिदीन रशीद ने 119 आरोपों में दोषी होने की बात कबूली है जो यूके, यूएस, जापान और फ्रांस सहित 20 देशों के 286 लोगों से जुड़े हुए हैं।

पहले से सजा काट रहा है आरोपी

ऑस्ट्रेलियाई पुलिस के सहायक आयुक्त डेविड मैकलीन ने बताया, "इस शख्स ने जो काम किया है वह ऑस्ट्रेलिया में सबसे भयानक सेक्सटॉर्शन मामलों में से एक है। इस प्रकार का ऑनलाइन शोषण और दुर्व्यवहार भयानक है और यह किसी की पूरी जिंदगी बर्बाद कर देता है।" रशीद पहले से ही एक अलग अपराध के लिए पांच साल की सजा काट रहा है। इससे पहले उसने दो मौकों पर अपनी कार में एक नाबालिग का यौन शोषण किया था।

16 से कम उम्र की लड़कियों का शोषण

एक रिपोर्ट के मुताबिक उसने दो-तिहाई 16 साल से कम उम्र की लड़कियों को निशाना बनाया था। रशीद ने उन बच्चियों को उनकी आपत्तिजनक तस्वीरें उनके परिवार वालों को भेजने की धमकी देकर उनके साथ शोषण करता रहा। बच्चों को पालतू जानवरों या दूसरे छोटे भाई-बहनों के साथ सेक्सुअल एक्ट करने के लिए ब्लैकमेल किया। जज अमांडा बरोज ने कहा कि "ऑस्ट्रेलिया में इससे पहले मुझे ऐसा कोई मामला नहीं मिला।" कोर्ट ने कहा कि यह हद है कि रशीद ने अपने साथियों के साथ पीड़ितों के साथ घिनौना काम किया।

विश्व युद्ध के बाद रूस को पहली बार मिली ऐसी चुनौती

यूक्रेन को अपने शहर से खदेड़ने में पुतिन नाकाम

एजेंसी | मॉस्को

रूस और यूक्रेन के बीच जंग पिछले तीन सप्ताह से भयंकर हो गई है। रूस फरवरी 2022 से ही यूक्रेनी शहरों को दहला रहा था, लेकिन अब यूक्रेन ने भी रूस में घुसपैठ कर ली है। रूसी शहर कुर्स्क में यूक्रेनी आर्मी तीन सप्ताह से कब्जा किए हुए हैं और रूस की तमाम कोशिशों के बावजूद यूक्रेन ने कुर्स्क से कदम वापस नहीं खींचे हैं। माना जा रहा है कि पुतिन इस खतरे को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। हालांकि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार है, जब किसी देश की सेना ने रूस के किसी शहर पर कब्जा किया। यूक्रेनी सेना कुर्स्क शहर में कई किलोमीटर तक कब्जा कर चुकी है। यूक्रेनी लड़ाकों की दहशत के कारण हजारों रूसियों ने शहर से पलायन कर दिया है।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध पर बारीकी से नजर रख रहे विशेषज्ञों का कहना है कि रूस का अपने शहर को यूक्रेन से न छुड़ा पाना, पुतिन पर निर्भर करता है। यूक्रेन में अपनी पूरी ताकत झोंक चुके पुतिन और उनकी सेना के पास अब इतना सैन्य और हथियार भंडार नहीं बचा है कि वो कीव की सेनाओं को अपने इलाकों से बाहर खदेड़ सकें। जानकारों का यह भी कहना है कि पुतिन यूक्रेन के कुर्स्क क्षेत्र पर हमलों को उतनी गंभीरता से नहीं देखते। उनकी प्राथमिकता यूक्रेन पर पूरी तरह से कब्जा करने की है। लेकिन, ऐसा क्यों है? कार्नेगी रूस यूरेशिया सेंटर के तातियाना स्टैनोवाया का मानना है, "पुतिन का ध्यान यूक्रेन के पतन पर है। इसलिए वो रूसी शहरों पर यूक्रेन के हमलों को नजरअंदाज कर रहे हैं। दरअसल, फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण शुरू करने के बाद पुतिन की सेना ने डोनेट्स्क, लुहान्स्क, ज़ापोरिज़िया और खेरसॉन के यूक्रेनी क्षेत्रों पर सफलतापूर्वक कब्जा कर लिया है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl